News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-120
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

व्यक्ति अपने विचारों के सिवाय कुछ नहीं है, वह जो सोचता है, वह बन जाता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, रविवार 04 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मदरसा,स्कूल में घिनौनी हरकत

मध्यप्रदेश के स्कूलों को एक तरफ स्मार्ट बनाने की बातें हो रही है, वहीं शिक्षा के मंदिर चलाने वाले कुछ जिम्मेदारों की मानसिकता सही नहीं है। ऐसे में छात्रछात्राएं उनकी शरण में कैसे सुरक्षित रह सकते हैं। छात्राओं के साथ घिनौनी हरकत के दो मामले रतलाम और इंदौर से सामने आए हैं।

मदरसे में छात्राओं के कमरे में लगे मिले कैमरे

रतलाम। रतलाम स्थित मदरसे में शर्मसार कर देने वाली लापरवाही सामने आई है। खाचरोद रोड स्थित दारुल उलूम आयशा सिद्दीका तिलबिनात में छात्राओं के कमरे में सीसीटीवी कैमरे लगे थे। मप्र बाल आयोग की टीम को मदरसे की मान्यता भी नहीं मिली। मदरसे में दर्ज 100 में से 40 बच्चियां ही स्कूल जा रही हैं। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. निवेदता शर्मा ने बच्चियों से बंद कमरे में चर्चा की है। बताया कि यह निजता के हनन का मामला है। निरीक्षण के वक्त महिला बाल विकास अधिकारी रजनीश सिन्हा और डीईओ केसी शर्मा भी मौजूद रहे। बाल आयोग के निरीक्षण की सूचना मिलते ही एडीएम डॉ. शालीनी श्रीवास्तव, एडीओपी रजनीश सिन्हा, डीईओ केसी शर्मा पहुंचे और लड़कियों से जानकारी ली। कमेटी के पास मदरसा संचालन के लिए जरूरी दस्तावेज नहीं थे। समिति के सदस्यों ने बताया, इसके लिए आवेदन किया हुआ है। पोर्टल बंद होने के कारण परमिशन नहीं मिल पा रही। कार्रवाई की सूचना पाकर कांग्रेस नेता यास्मीन शेरानी और अंजुमन सदर इब्राहीम शेरानी समेत अन्य सदस्य मदरसा पहंचे। बताया कि मदरसा महाराष्ट्र के नंदूबार जिले के दारुल जामिया इस्तुलम अतुलकुआ से पंजीबद्ध है। उन्होंने मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड से मान्यता के लिए भी आवेदन कर रखा है।

जांच के बाद हटाए गए कैमरे: एडीएम डॉ. शालीनी श्रीवास्तव ने बताया, समिति के पास महाराष्ट्र की संस्था का पंजीयन है, लेकिन मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड की मान्यता नहीं है। सारे दस्तावेज मंगाए हैं। बाल आयोग टीम की रिपोर्ट नहीं मिली है। जांच के बाद कैमरे हटा लिए गए हैं। कैम्पस में पुरुष बाहर रहते हैं। कुछ बच्चियों के साथ पैरेंट्स भी रहते हैं।

100 में 40 बच्चियां ही स्कूल जाती हैं: मदरसा कैम्पस में स्कूल भी संचालित है, लेकिन 100 में 40 बच्चियां ही स्कूल जाती हैं। कक्षा 1 से 9वीं तक संचालित इस स्कूल को हाल ही में 12वीं तक क्लास संचालन की मान्यता मिली है। लेकिन, कई लड़कियां स्कूल में पढ़ाई नहीं करती हैं। इस स्कूल को संचालित करने के लिए सोसायटी का 2012 में पंजीयन कराया गया था और स्कूल खोल दिया गया, लेकिन साल 2019 में इस स्कूल की मान्यता मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल से ली गई । यानी कि यह भी सामने आया कि वर्ष 2012 के बाद से 2018 तक इस स्कूल को संचालित करने की कोई मान्यता नहीं रही है ।

यह कहा मदरसा संचालक ने : मदरसा संचालक मौलाना मौसीन से जब पूछा गया कि कब से आप इस मदरसे को संचालित कर रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि कई सालों से इसे हम संचालित कर रहे हैं। सही वक्त तो मुझे भी याद नहीं ।

इंदौर के स्कूल में छात्राओं के कपड़े उतरवाए

इंदौर। इंदौर में एक सरकारी स्कूल में छात्राओं के मोबाइल फोन स्कूल में लाने के शक में उनके कपड़े उतरवाकर चेकिंग की गई। इस मामले में छात्राओं के परिजनों ने कड़ी आपत्ति दर्ज करवाते हुए मामले की शिकायत पुलिस थाने में की है। इंदौर के एक स्कूल में परीक्षा के दौरान एक छात्रा के पास से मोबाइल मिला। इसके बाद महिला टीचर ने दूसरी लड़कियों को बाथरूम में ले जाकर उनकी तलाशी ली। बताया जा रहा है कि तलाशी के दौरान महिला टीचर ने लड़कियों से उनके कपड़े उतरवाए। मामले की जानकारी मिलने पर छात्राओं के परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया। दरअसल स्कूल में एक छात्रा का मोबाइल बजने के दौरान शिक्षिका ने उसे छात्रा से फोन ले लिया। इसके बाद चार अन्य लड़कियों को शिक्षिका बाथरूम में ले गई और उनके कपड़े उतरवाकर उनकी चेकिंग की। लड़कियों ने आरोप लगाया कि उनके कपड़े उतार कर यह तलाशी ली गई थी। लड़कियों ने यह भी शिकायत की कि टीचर ने कहा कि कपड़े नहीं उतारे, तो वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया जाएगा?

क्या है पूरा मामला?

इस पूरे मामले में छात्राओं ने जैसे ही अपने परिजनों को यह बात बताई परिजन गुस्से में आ गए और स्कूल पहुंचकर हंगामा करने लगे। मल्हारगंज थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुछ छात्राओं के परिजन पुलिस थाने आए थे, जिन्होंने बड़ा गणपति स्थित सरकारी शारदा गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल की शिकायत की।

जिला शिक्षा अधिकारी बयान लेने स्कूल पहुंची: जिला शिक्षा अधिकारी सुषमा वैश्य छात्राओं के बयान लेने स्कूल पहुंची। मामला सामने आने के बाद कलेक्टर ने आरोपी टीचर को शिक्षा विभाग में अटैच कर दिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि स्कूल में ज्यादातर छात्राएं गरीब परिवारों की हैं।

कलेक्टर बोले- यह गंभीर मामला: कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि पेरेंट्स की ओर से शिकायत मिली थी। यह गंभीर मामला है। जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच पूरी होने तक एक महिला टीचर को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अटैच कर दिया है। मल्हारगंज पुलिस के सब इंस्पेक्टर एम धुर्वे ने कहा कि जो शिकायत मिली है उसकी जांच की जा रही है। पेरेंट्स कहना है कि स्कूल के अंदर इस तरह की चेकिंग करना गलत है। बच्चों के पास अगर मोबाइल मिले थे तो शिकायत पेरेंट्स से करनी चाहिए थी, न कि कपड़े उतरवाकर हर बच्चे की चेकिंग करना था।

यह कहा स्कूल की प्रिंसिपल ने: गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल सीमा जैन ने कहा कि एक लड़की के पास मोबाइल फोन मिला था और उसके माता-पिता को उसकी जानकारी दे दी गई थी। घटना से जुड़े अन्य मामले में उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में जांच की जाएगी और जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाया जाएगा।

छुट्टी होने पर स्कूल से निकल रहे थे छात्र, अचानक गिरी दीवार, चार बच्चों की मौत

रीवा। मध्यप्रदेश में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां के रीवा जिले में एक बिल्डिंग की दीवार गिर गई। बिल्डिंग की दीवार के नीचे दबने से चार बच्चों की मौत हो गई । इस हादसे में एक छात्र और महिला बुरी तरह से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी लगते ही जनप्रतिनिधियों सहित जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंच गए। घटना शनिवार की दोपहर रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गढ़ कस्बे की है। छात्र निजी स्कूल सनराइज पब्लिक स्कूल के छात्र थे। यह हादसा उस वक्त हुआ जब स्कूल की छुट्टी हो गई और बच्चे अपने घर जा रहे थे। उसी दौरान स्कूल के गेट के बगल में स्थित जर्जर मकान की दीवार अचानक से बच्चों के ऊपर गिर गई और 5 छात्रों सहित एक महिला दीवार के नीचे दब गए। महिला अपने बच्चे को स्कूल लेने गई थी वो भी इसकी चपेट में आ गई। घटना के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने बच्चों को मलबे से निकाला और उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां पर डाक्टरों ने चार छात्रों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक छात्र और महिला गंभीर रुप से घायल हो गया जिन्हें इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मध्यप्रदेश में औसत से 14% अधिक हुई बारिश, दो दिन तक रेड अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्ट्रांग सिस्टम के चलते बारिश का दौर जारी है। राजधानी भोपाल में सहित कुछ जिलों में शनिवार को भी बारिश हुई। प्रदेश में अभी तक औसत से 14त्न अधिक बारिश दर्ज की गई है। शनिवार को भोपाल में कलियासोत नदी किनारे से 20 परिवारों का रेस्क्यू किया गया। सूखी सेवनिया के नाले में 14 साल का लड़का बह गया। नर्मदापुरम में तवा डैम के 9 गेट खोले गए हैं। उमरिया में जोहिला डैम का एक गेट सीजन में पहली बार खोला गया है। प्रदेश के 12 जिले के सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, श्योपुर और शिवपुरी में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। वहीं, भोपाल, जबलपुर समेत 23 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि अगले 2 दिन तक तेज बारिश होती रहेगी। उन्होंने बताया कि झारखंड और पश्चिम बंगाल के आसपास साइक्लोनिक सर्कुलेशन से लो प्रेशर एरिया बन गया है। मानसून ट्रफ लाइन इस लो प्रेशर एरिया के केंद्र से होते हुए सीधी, ग्वालियर यानी मध्यप्रदेश के उत्तरी हिस्से से गुजर रही है। एक अन्य ट्रफ पूर्व-पश्चिम से होकर इन्हीं क्षेत्रों में एक्टिव है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर इटावा के पास बस और कार की टक्कर

मां-बेटे समेत 6 की मौत, 40 घायल

इटावा। शनिवार-रविवार की रात बड़ा हादसा हो गया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर बस और कार की टक्कर में मां-बेटे समेत 6 लोगों की मौत हो गई है। जबकि, 40 से ज्यादा लोग घायल हैं। इटावा एसएसपी संजय वर्मा ने बताया, बस रायबरेली से दिल्ली जा रही थी। रात 12ः30 बजे इटावा के पास वह कार से टकरा गई। टक्कर के बाद बस खाई में गिर गई, जिससे 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की भी मौत हुई है। दुर्घटनागस्त बस रायबरेली से शनिवार शाम सवारी लेकर दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। हादसे के वक्त इस बस में 70 यात्री सवार थे। 40 से ज्यादा यात्री घायल हैं, उन्हें ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घायल यात्रियों ने बताया कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर चैनल नंबर-129 के पास शनिवार रात तेज रफ्तार बस के सामने अचानक से रॉन्ग साइड पर कार आ गई। बस चालक संभाल नहीं सका और कार बस की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद बेकाबू होकर खाई में पलट गई। हादसे में कार सवार प्रधुम (24) पुत्र अरविन्द सिंह ठिटोली तालग्राम कन्नौज, मोनू (25) पुत्र ब्रजेश प्रताप गधीया तालग्राम कन्नौज, मोनू की मां चंदा देवी की मौत हो गई है। जबकि, बस सवार ओमप्रकाश (50) पुत्र असर्फी भरसरीया खीरी सहित तीन अन्य लोगों की मौत हुई है। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है।

बारिश के चलते सागर में दीवार गिरी

8 बच्चों ने दम तोड़ा, 12 जख्मी

सागर। जिले के शाहपुर में रविवार को सुबह हृदय विदारक घटना ने पूरे क्षेत्र में गम में डुबा दिया। हरदौल मंदिर में शिवलिंग निर्माण एवं भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। सावन के महीने में यहां सुबह से शिवलिंग बनाए जा रहे हैं। रविवार को भी शिवलिंग बनाने का काम शुरू हुआ रविवार को अवकाश का दिन होने की वजह से शिवलिंग बनाने के लिए आठ से 14 साल के बच्चे भी बड़ी संख्या में पहुंचे। वे सुबह जब शिवलिंग बना रहे थे, तभी मंदिर परिसर के बाजू वाली करीब पचास साल पुरानी एक कच्ची दीवार भराभराकर गिर गई। यह दीवार शिवलिंग बना रहे बच्चों के ऊपर सीधी गिरी, जिससे आठ बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। तत्काल ही दीवार के मलबे को हटाने का कार्य शुरू हुआ तो इसके नीचे और दबे बच्चों को निकाला गया। नगर परिषद, पुलिस व नगर वासी राहत कार्य में लगे हुए हैं। सूचना मिलने पर रहली विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी मौके पर पहुंचे। जानकारी के मुताबिक मंदिर परिसर के बाजू में पचास साल पुरानी यह दीवार जर्जर हो चुकी थी। इसके बाद भी इसे गिराया नहीं गया। सागर में इन दिनों भारी वर्षा हो रही है। 24 घंटे के अंदर ही यहां 104 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। ऐसे में कच्चे व जर्जर मकानों को खतरा बना हुआ है। मंदिर के पास स्थित भी मिट्टी की दीवार लगातार वर्षा में गिर गई, जिससे यह हादसा हो गया।

अस्पताल के बाहर भीड़, व्यवस्था न मिलने से लोग नाराज: हादसे के बाद लोग घायलों को लेकर शाहपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल में एक भी डॉक्टर नहीं मिला। केवल एक कर्मचारी यहां मौजूद था। इसको लेकर क्षेत्रवालों ने इस पर नाराजगी जाहिर की। लोगों ने कहा कि यहां जो डॉक्टर हैं, वे कभी-कभार भी आते हैं जो दस्तखत करके चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में जब बच्चों को लाया गया तो मरहम-पट्टी करने वाला भी मौजूद नहीं था।

News सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

दादू महाराज ने जेल में सुनाई शनिदेव की कथा, कहा- रोज करें शनिदेव का पूजन

इंदौर। केवल मुसीबत में ही शनिदेव का पूजन ना करें, रोजाना पूजन करने से शनिदेव आपको कष्टों से छुटकारा दिलाते हैं। शनिदेव से रोज के संबंध बनाएंगे तो शनिदेव हर हालत में न्याय प्रदान करते हैं। ये उद्गार राष्ट्र संत दादू महाराज ने केंद्रीय जेल में पहली बार न्याय के देवता शनिदेव भगवान की कथा के ऐतिहासिक आयोजन में कैदियों को कथा के दौरान व्यक्त किए। दादू महाराज संस्थान के मीडिया प्रभारी राम मूंदड़ा ने बताया कि कैदियों ने इतनी तन्मयता से कथा श्रवण कर उसमें दी गई प्रेरणा को जीवन में धारण करने का संकल्प व्यक्त किया। राष्ट्र संत दादू महाराज ने कथा के एक-एक प्रसंग को अपनी भावपूर्ण शैली में व्यक्त किया। पूरी कथा में कैदियों को न्याय कैसे मिल सकता है, यह भी समझाया। आपने शनिदेव का पूजन और आराधना किस प्रकार की जाती है, इसकी भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर मनुष्य पर शनिदेव का प्रकोप कभी न कभी आता ही है इसलिए मनुष्य ने शनिदेव का पूजन रोजाना करना चाहिए। कैदियों ने पूरी कथा अपने-अपने बैरकों में जेल के रेडियो के माध्यम से सुनी और कई कैदी पश्चाताप के कारण भावविभोर हो गए और बरबस उनकी आंखो से आंसू निकल पड़े। कथा का शुभारंभ जेल अधीक्षक अलका सोनकर, इन्दरसिंह नागर और संतोष लाडिया ने शनिदेव का पूजन कर किया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक ने महामंडलेश्वर को भेंट स्वरूप जेल में कैदियों के हाथ की बनी दरी, कंबल व अन्य वस्त्र भेंट किए।

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी ने आयोजित की शिक्षकों की कार्यशाला

इंदौर। आज के समय में शिक्षकों पर सबसे महती जिम्मेदारी है। हम सबका जीवन संयमित हो, हमारे अंदर अहिंसा की चेतना हो, ईमानदारी हो, हमारा जीवन नशामुक्त रहे और हमारे बेहतर कल के लिए अणुव्रत, जीवन विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के संवर्धन जैसे श्रेष्ठ उद्देश्यों से बच्चों का चौतरफा विकास करने की जरूरत है। इसके लिए अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी एवं अणुव्रत समिति इंदौर ने शनिवार को पहली बार इस कार्यशाला का आयोजन किया है, ताकि शिक्षकों के माध्यम से हम एक श्रेष्ठ और संस्कारित समाज का निर्माण कर सकें। ये बात आचार्य महाश्रमण की आज्ञानुवर्ती साध्वी प.पू. रचनाश्रीजी म.सा. ने जाल सभागृह में शिक्षकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला में संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला में शहर के 100 स्कूलों के 200 शिक्षक एवं प्राचार्य भी उपस्थित थे। बालिकाओं द्वारा सुंदर गीत के साथ शुभारंभ हुआ। जिला पंचायत इंदौर के सीईओ सिद्धार्थ जैन मुख्य अतिथि और सहोदय ग्रुप की चेयर पर्सन सुषमा वैश्य, सीआईएससीई स्कूल आफ म.प्र.की अध्यक्ष भावना चेलावत, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी संस्थान से अनिता दीदी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रारंभ में अणुव्रत समिति इंदौर के अध्यक्ष मनीष कठोतिया, मंत्री प्रकाश बैद, कमलेश सामोता, कार्यक्रम संयोजक शशि जैन, अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश नाहर, महामंत्री भीकमचंद सुराणा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री साधना कोठारी एवं म.प्र. के राज्य प्रभारी नीलेश पोखरना तथा तेरापंथ समाज के बंधुओं ने अतिथियों का स्वागत किया।

इंदौर में सोना 200 और चांदी 750 रुपए हुई सस्ती

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में देर रात मुनाफावसूली की बिकवाली बढ़ने के कारण कामेक्स पर सोना और चांदी वायदा घटकर बंद हुआ। कॉमेक्स पर सोना वायदा 26 डालर घटकर 2442 डालर प्रति औंस और चांदी वायदा 44 सेंट घटकर 2855 डालर प्रति औंस पर बंद हुई। इससे शनिवार को भारतीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इंदौर में सोना केडबरी नकद में 200 रुपये घटकर 72000 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा 750 रुपये टूटकर 84650 रुपये प्रति किलो रह गई। इन दामों पर भी व्यापार बेहद कमजोर है। इससे सोने को सुरक्षित आश्रय की मांग आने वाले दिनों में बढ़ सकती है। इसी के चलते वाल स्ट्रीट पर भारी गिरावट आई, जिसका असर एशियाई व्यापार पर भी पड़ा और जोखिम-मुक्त रुख अपनाया गया। इसने सोने के लिए सुरक्षित आश्रय की बोलियों को बढ़ावा मिलने की पूरी उम्मीद है। ऐसे में सोने में ज्यादा मंदी फिलहाल नजर नहीं आ रही है। सोना केडबरी रवा नकद में 72000 सोना (आरटीजीएस) 71800 सोना (91.60 कैरेट) (आरटीजीएस) 65800 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शुक्रवार को सोना 72200 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा नकद 84650 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 84500 चांदी टंच 84700 रुपये प्रति किलो और चांदी सिक्का 950 रुपये प्रति नग बिका। शुक्रवार को चांदी चौरसा नकद 85400 रुपये पर बंद हुई थी।

स्टूडेंट्स के ओरिजिनल डाक्यूमेंट तुरंत लौटाएं इंदौर के स्कूल-कॉलेज

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने आदेश दिया है कि इंदौर की शैक्षणिक संस्थाएं अब छात्रों के ओरिजिनल डॉक्यूमेंट अपने पास जमा करके नहीं रख सकेंगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि शहर का कोई भी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट बच्चों के मूल दस्तावेज जमा नहीं करेगा। यदि किसी भी कॉलेज, स्कूल या अन्य एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के पास छात्रों के मूल दस्तावेज हैं तो वह तुरंत उन्हें वापस करें। यदि वापस नहीं लौटाए गए तो इन संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर को जनसुनवाई में और सीएम हेल्प लाइन में स्टूडेंट और उनके पैरेंट्स से लगातार शिकायतें मिल रही थी। शहर के कई निजी शैक्षणिक संस्थान प्रवेश प्रक्रिया के दौरान छात्रों के मूल दस्तावेज (अंकसूचियों, स्थानातरण प्रमाण पत्र आदि) रख लेते हैं और वापस मांगने पर लौटाते नहीं हैं।

इसलिए जारी किया आदेश

प्रायः जनसुनवाई और सीएम हेल्प लाईन में विद्यार्थियों एवं उनके पालकों द्वारा शिकायतें की जाती हैं कि निजी शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान उनके मूल दस्तावेजों (अंकसूचियों, स्थानातरण प्रमाण पत्र आदि) रख लिए जाते हैं और इनके द्वारा वापस मांगे जाने पर लौटाए नहीं जाते हैं। कलेक्टर ने इस पर संज्ञान लेते हुए यह आदेश जारी किया है।

यह लिखा है आदेश में

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं मध्यप्रदेश शासन के संस्थानों द्वारा जारी नियमों के विरुद्ध किया जा रहा है। इसलिए सभी उच्च शैक्षणिक संस्थाओं और निजी विश्वविद्यालयों को (उच्च एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों) को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों के मूल दस्तावेजों को जमा नहीं करेगा। जिसके पास भी जमा हैं वह तुरंत लौटाएगा।

दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी

कलेक्टर ने कहा है कि भविष्य में कलेक्टर कार्यालय में किसी भी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा इस संबंध में शिकायत की जाती है तो संबंधित शिक्षण संस्थान के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित विभाग को भी ऐसी शिक्षण संस्थाओं की मान्यता के संबंध में पुनर्विचार करने हेतु कहा जाएगा।

यूजी नेट के मामले में भी सीबीआई और आईबी ने की थी पूछताछ

पीएससी का फर्जी पेपर बेचने वाला निकला 10वीं का स्टूडेंट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। एमपीपीएससी का नकली पेपर बेचने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। टेलीग्राम पर फर्जी पेपर बेचने वाले आरोपी को इंदौर की सयोगितागंज थाना पुलिस ने हिरात में ले लिया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि एमपीपीएससी 2024 का फर्जी पेपर टेलीग्राम ग्रुप पर एक नाबालिग बच्चे ने पोस्ट किया था। इतना ही नहीं उसे पेपर के बदले पैसे भी मांगे थे। आरोपी राजस्थान के झुंझनू जिले का 10वीं का छात्र है। पुलिस का कहना है कि आरोपी छात्र ने कुछ स्टूडेंट्स से अपने अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कराए थे।

आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि यूजीसी नेट का भी इसी तरीके से फर्जी पेपर वे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चुका है। यूजी नेट के मामले में सीबीआई और आईबी ने आरोपी नाबालिग से पूछताछ की थी। मालूम हो कि 22 जून को एमपीपीएससी का टेलीग्राम पर पेपर पोस्ट किया गया था। परीक्षा के बाद वायरल हुआ पेपर फर्जी निकला था। इसके बाद सयोगितागंज थाने में पीएससी की ओर से शिकायत की गई थी।

एग्जाम से ठीक पहले हुआ था पेपर का सौदा

22 जून को एमपीपीएससी 2024 का पेपर सोशल मीडिया पर लीक हो गया था। टेलीग्राम में बकायदा एक ग्रुप बनाया गया था। इस ग्रुप में 2500 रुपये पर पेपर का सौदा किया जा रहा था। ग्रुप बनाने वाले ने अपनी पहचान छिपा रखी थी। पेपर मांगने वालों के लिए उसने क्यूआर कोड बना रखा था। हालांकि एमपीपीएससी ने पेपर लीक की बात को नकार दिया था। अगले दिन 23 जून को एमपीपीएससी का एग्जान हुआ। जब पेपर मैच किया गया तो ये फर्जी निकला। इसके बाद एमपीपीएससी के अधिकारियों ने इसे लेकर थाने में शिकायत की थी।

यू-ट्यूब से सीखा तरीका

जानकारी के मुताबिक सयोगितागंज पुलिस लगातार आरोपी को ट्रेस कर रही थी। इसके बाद टीम राजस्थान के झुंझुनू पहुंची। फिर पता चला कि 10वीं क्लास के नाबालिग ने सोशल मीडिया पर फर्जी पेपर पोस्ट किया था। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि उसने यू-ट्यूब से इसका तरीका सीखा था। पेपर के बदले उसने लोगों से पैसे मांगे थे। पैसे लेने के बाद उसने उन लोगों को ब्लॉक कर दिया। इस नाबालिग ने यूजीसी नेट का फर्जी पेपर भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बेचा था। इस मामले में सीबीआई और आईबी की टीम उस तक पहुंची थी और उसका मोबाइल जब्त कर साथ ले गई। लड़के की हरकत से घरवाले भी परेशान हैं। उसका एक बड़ा भाई है। पिता का चप्पल-जूते का व्यवसाय है। 2-3 दिन पहले ही पुलिस ने बच्चे को ट्रेस किया। नाबालिग होने के कारण पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई कर दी है।

यह बताया संयोगितागंज टीआई ने

संयोगितागंज थाने के टीआई सतीश पटेल ने बताया कि एमपीपीएससी का फर्जी पेपर टेलीग्राम पर बेचने के मामले में जांच के बाद सोलह साल के लड़के को ट्रेस किया है। वह राजस्थान का रहने वाला है। उसने यूट्यूब से टेलीग्राम ग्रुप बनाया और क्यूआर कोड के जरिये रुपए लेकर पेपर बेचने की कोशिश की बच्चा नाबालिग है, इसलिए नियमानुसार नोटिस पर उसे छोड़ दिया है।

मध्यप्रदेश को ऑर्गन डोनेशन में उभरते राज्य का खिताब

इंदौर में सबसे ज्यादा अंगदान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश को ऑर्गन डोनेशन के क्षेत्र में बेहतर काम करने पर बेस्ट इमर्जिंग स्टेट का अवार्ड दिया गया है। इसका मतलब होता है सबसे तेजी से उभरता राज्य। यह अवॉर्ड आंध्रप्रदेश और जम्मू कश्मीर के साथ संयुक्त रूप से मध्यप्रदेश को मिला है। देश के बेस्ट एसओटीटीओ स्टेट का अवॉर्ड तेलंगाना को दिया गया है। दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है और तीसरे स्थान पर कर्नाटक आया है। कार्यक्रम में उन परिवारों का भी सम्मान किया गया जिन्होंने ब्रेन डेड होने पर अपने परिवार के बच्चों के अंग दान किए हैं। शनिवार को नई दिल्ली में इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे पर स्वास्थ्य मंत्रालय की केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने खिताब प्रदान किया। इंदौर एसओटीटीओ और मध्यप्रदेश की ओर से इंदौर सांसद शंकर लालवानी और स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑगेर्नाइजेशन (एसओटीटीओ) इंदौर के प्रभारी डॉ. संजय दीक्षित ने यह अवार्ड प्राप्त किया।

कई संस्थाएं कर रही काम

एसओटीटीओ प्रभारी डॉ. संजय दीक्षित ने बताया कि मध्य प्रदेश को बेस्ट इमर्जिंग स्टेट अवार्ड मिलने के पीछे कई लोगों के प्रयास हैं। मध्यप्रदेश, विशेषकर इंदौर, अंगदान के क्षेत्र में एक उभरता हुआ सितारा बनकर सामने आया है। इसमें समाजिक संगठनों का सक्रिय योगदान है। मुस्कान ग्रुप, दाधीच ग्रुप, नेत्र बैंक जैसी संस्थाओं ने अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके साथ सरकार ने भी अंगदान के महत्व को समझते हुए विभिन्न जागरूकता अभियान चलाए हैं। हर राज्य में अंगदान के लिए एसओटीटीओ की शाखाएं काम करती हैं। यह डोनर के साथ अस्पतालों के बीच संवाद स्थापित करने का काम करता है।

इंदौर में है राज्यस्तरीय एसओटीटीओ सेंटर

राज्य में अंगदान की गतिविधियों के लिए स्टेट टिशू एण्ड ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) इंदौर में है। अंगों के आवंटन से लेकर अन्य सारा काम यहीं से संचालित किया जाता है। कैडेवर ऑर्गन डोनेशन के क्षेत्र में इंदौर न सिर्फ मप्र बल्कि देश के चुनिंदा शहरों में शामिल है। टू-टियर सिटी होने के बावजूद यहां जागरूकता के चलते अब तक 60 कैडेवर ऑर्गन डोनेशन हो चुके हैं। ग्रीन कॉरिडोर बनाकर लिवर, हार्ट सहित कई अंग दिल्ली, मुंबई सहित अन्य शहरों को हवाई मार्ग से पहुंचाए गए हैं। ब्रेन डेड के 60 लोगों के अंगों से 200 से ज्यादा मरीजों को नया जीवन मिला है। लाइव डोनेशन के जरिए 1635 लोगों को नया जीवन मिला है। 20 हजार से ज्यादा लोगों ने अंगदान की शपथ भी ली है। इसके लिए बकायदा उन्होंने शपथ पत्र भरा है। इस मामले में मप्र का देश में चौथा नंबर आया था।

दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाने के लिए आयोजित होंगे मेडिकल बोर्ड

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए विभिन्न विभागों के द्वारा विशेष भर्ती अभियान के तहत विभिन्न पदों पर पदपूर्ति की कार्यवाही की जा रही है। जिसके परिप्रेक्ष्य में दिव्यांगजनों के द्वारा जिला चिकित्सालय में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण अथवा नये प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए बडी संख्या में दिव्यांगजन मेडिकल बोर्ड पर उपस्थित हो रहे हैं। इन दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए हुकुमचंद पॉली क्लीनिक लाल अस्पताल और डीडीआरसी समाज कल्याण परिसर इंदौर में मेडिकल बोर्ड आहूत किये जाने हेतु सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक इंदौर को आदेशित किया गया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किये गये हैं। जारी आदेशानुसार प्रति सोमवार,

मंगलवार एवं बुधवार को हुकुमचंद पॉली क्लीनिक लाल अस्पताल में तथा प्रति गुरूवार को डीडीआरसी समाज कल्याण परिसर में मेडिकल बोर्ड आयोजित किये जाएंगे। प्रत्येक शनिवार को बौद्धिक दिव्यांगजनों के लिये हुकुमचंद पॉली क्लीनिक लाल अस्पताल में मेडिकल बोर्ड आयोजित किया जायेगा। मेडिकल बोर्ड का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों के लिए आज परीक्षा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सरकारी कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों को भरने के लिए मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने परीक्षा का दूसरा चरण रखा है। आठ विषयों में सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 रविवार चार अगस्त को हो रही है। 744 पदों के लिए 30 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा के लिए प्रदेशभर के जिलों में केंद्र बनाए गए हैं। आयोग ने नकलचियों पर नजर रखने के लिए उड़नदस्ते भी बनाए हैं। दिसंबर 2022 में सहायक प्राध्यापक परीक्षा को लेकर आयोग ने विज्ञापन निकाला था, लेकिन उसमें शासन के निर्देश के बावजूद अतिथि विद्वानों को आवेदन करने का मौका नहीं दिया। अभ्यर्थियों ने उच्च न्यायालय की शरण ली। न्यायालय में सवा साल से अधिक प्रकरण चला, जिसके बाद वंचित वर्ग के आवेदन के लिए आयोग को दोबारा लिंक खोलनी पड़ी।

9 जून को हुई थी पहले चरण की परीक्षा

पहले चरण की परीक्षा 9 जून को करवाई गई थी। जिसमें आठ विषयों के 826 पदों पर 33 हजार ने परीक्षा दी थी।अब दूसरे चरण की परीक्षा में रसायन (160), अर्थशास्त्र (104), भूगोल (23), विधि (29), भौतिक शास्त्र (115), राजनीति शास्त्र (118), समाज शास्त्र (80), प्राणी शास्त्र (115) है।अधिकारियों के मुताबिक परीक्षा के संबंध में अभ्यर्थियों के लिए गाइडलाइन जारी कर दी है, जिसमें केंद्रों पर स्मार्टवाच, चश्मा, कैलकुलेटर सहित अन्य इलेक्ट्रानिक आयटम प्रतिबंधित हैं। केंद्र पर अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले पहुंचना होगा।

आईआईएम इंदौर में मुंबई के अधिकारियों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर (आईआईएम इंदौर) के मुंबई के कार्यकारी अधिकारियों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएमएक्स) का 21वां बैच 3 अगस्त को संस्थान के मुंबई परिसर में शुरू हुआ। बैच का उद्घाटन आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने किया। प्रसिद्ध वॉयस ओवर आर्टिस्ट, अभिनेता और कम्युनिकेशन ट्रेनर विजय विक्रम सिंह उद्घाटन के विशेष अतिथि थे। इस अवसर पर पीजीपीएमएक्स चेयर, प्रो. मीत वछराजानी भी उपस्थित रहे। प्रो. हिमांशु राय ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पीजीपीएमएक्स कार्यक्रम की इस वर्ष की उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा - एशिया में शीर्ष 25 बी-स्कूलों कि सूची में स्थान प्राप्त करके हमने हाल ही में क्युएस ईएमबीए रैंकिंग में अपनी शानदार शुरुआत की है। हमारा पीजीपीएमएक्स पाठ्यक्रम इंडस्ट्री 4.0 की जटिलताओं का हल खोजने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। इसका पाठ्यक्रम अत्याधुनिक और प्रासंगिक दोनों है। उन्होंने ट्रिपल क्राउन मान्यता प्राप्त संस्थान के रूप में आईआईएम इंदौर की विशिष्टता पर भी जोर दिया। प्रो. राय ने कहा हमने पांच महत्वपूर्ण चुनौतियों - असमानता, शहरी मुद्दे, ग्रामीण चुनौतियां, पर्यावरण संबंधी चिंताएं और उद्यमशीलता की भावना की कमी को सक्रिय रूप से संबोधित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और कई पहलें कार्यान्वित की हैं। उन्होंने इन मुद्दों से निपटने के लिए संस्थान द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों को साझा किया और प्रतिभागियों को सार्थक समाधानों में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया।

निरंतर कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहें

प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रो. राय ने उनसे निरंतर कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहने और नेतृत्व के मूल मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि करुणा का भाव रखें, प्रभावी संचार की क्षमता विकसित करें, साहस बनाए रखें और दृढ़ता का पालन करें। उन्होंने कहा, इन गुणों को अपनाएं और कभी हार न मानें, क्योंकि ये आज की दुनिया में प्रभावी लीडर और मैनेजर बनने के लिए आवश्यक हैं। विजय विक्रम सिंह ने अपने करियर और व्यक्तिगत जीवन से मिली सीखों को साझा किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उन्होंने एमबीए स्नातक से वॉयस-ओवर और अभिनय तक कि यात्रा की। उन्होंने प्रतिभागियों को पीजीपीएमएक्स के जरिए इस परिवर्तनकारी यात्रा पर निकलने के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कौशल विकास और आत्म-सुधार के महत्व पर जोर दिया और कहा कि दूसरों के बजाय खुद से प्रतिस्पर्धा करें - यह दृष्टिकोण व्यक्तिगत विकास को सुगम बनाता है और ईर्ष्या जैसी नकारात्मक भावना के नुकसान से बचाता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सहानुभूति प्रभावी नेतृत्व की आधारशिला है, और इसके लिए न केवल मजबूत संचार कौशल की आवश्यकता होती है, बल्कि विषय-वस्तु को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने की कला भी आनी चाहिए।

जिज्ञासु बने रहने की सलाह

विजय विक्रम सिंह ने कहा विषय वस्तु कितनी भी अच्छी और महत्वपूर्ण क्यों न हो - आप इसे कैसे प्रस्तुत करते हैं - इसी से तय होगा कि उसका क्या प्रभाव पड़ेगा। दुनिया में तेजी से हो रहे बदलावों को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रतिभागियों को अनुकूलनीय और जिज्ञासु बने रहने की सलाह दी। नए अनुभवों की खोज करें, क्योंकि इसी से नवीन विचारों को प्रेरित कर सकेंगे। उन्होंने कहा सफलता का विपरीत विफलता नहीं बल्कि अनुभव है। हमेशा उत्साही बने रहें और आगे बढ़ने की कोशिश करते रहें।

बीएमएचआरसी में शुरू हुई हार्ट वाल्व रिपेयर सर्जरी, 64 वर्षीय महिला का इलाज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में हार्ट वाल्व से संबंधित बीमारियों के मरीजों के लिए हार्ट रिपेयर सर्जरी शुरू हो गई हैं। हाल ही में अस्पताल के कार्डियो-थोरासिक एवं वस्कुलर सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने एक 64 वर्षीय गैस पीड़ित महिला का निशुल्क हार्ट वाल्व रिपेयर किया गया। मरीज अब स्वस्थ है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। बीएमएचआरसी के सीटीवीएस विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ गिरिराज गर्ग ने बताया कि यह महिला रुमैटिक हार्ट नामक बीमारी से पीड़ित थी, जिसके कारण उन्हें चलने-फिरने पर सांस फूलती थी। अस्पताल में हुई जांच में यह पता चला कि महिला के हृदय में स्थित माइट्रल वाल्व सिकुड़ गया है, जिसकी वजह से हार्ट में रक्त का प्रवाह बाधित हो

रहा है। डॉ गिरिराज गर्ग ने बताया कि सर्जरी के माध्यम से ही इस समस्या को ठीक किया जा सकता था। ऑपरेशन के दौरान हार्ट का वाल्व देखकर यह तय किया गया कि वॉल्व रिप्लेस करने के बजाय रिपेयर करना अच्छा विकल्प है। उन्होंने बताया कि वाल्व रिप्लेसमेंट के बाद मरीज को लंबे समय तक खून पतला करने की दवाएं खाना पड़ती हैं, जबकि वाल्व रिपेयर प्रक्रिया में मरीज की दवाओं पर निर्भरता कम हो जाती है हार्ट रिपेयर प्रक्रिया में इन्फेक्शन का खतरा कम होता है और मरीज को बार-बार इलाज के लिए अस्पताल नहीं आना पड़ता।

अधिक अनुभव और कौशल की आवश्यकता

डॉ. गर्ग ने बताया कि वॉल्व रिप्लेसमेंट के मुकाबले वॉल्व रिपेयरमेंट करना कठिन काम है। इसमें समय अधिक लगता है और इसे करने के लिए लंबा अनुभव और विशेष कौशल की आवश्यकता होती है। इसी वजह से अस्पतालों में वाल्व रिपेयरमेंट के मुकाबले वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी ज्यादा होती हैं। डॉ. गर्ग ने बताया कि हमारे हृदय में चार वाल्व एकोटिक, माइट्रल, पल्मोनरी, ट्राइकस्पिड वाल्व। ये सभी वाल्व रक्त को सही दिशा में प्रवाहित करते हैं। हर वाल्व में फ्लैप होते हैं, जो हर बार दिल की धड़कन के साथ खुलते और बंद होते हैं। अगर वाल्व फ्लैप ठीक से खुलता या बंद नहीं होता है, जिसे वाल्व में खराबी आना कहते हैं। इन्फेक्शन होना, अधिक उम्र, हार्ट अटैक या कोई हार्ट डिजीज की वजह से वाल्व खराब हो जाते है। माइट्रल वाल्व डिसीज अक्सर रुमैटिक फीवर की वजह से होती है।

वाल्व रिपेयरमेंट सर्जरी होती है जटिल

बीएमएचआरसी, प्रभारी निदेशक,डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने बाताया कि वाल्व रिपेयरमेंट सर्जरी जटिल होती हैं और इसके लिए विशेष दक्षता की आवश्यकता होती है। बीएमएचआरसी में यह सर्जरी शुरू हो गई है। इससे हार्ट वाल्व की बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को फायदा होगा।

स्कूलों में कमजोर विद्यार्थियों के लिए अलग से लगेंगी कक्षाएं

एक लाख से ज्यादा विद्यार्थी चिन्हित

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के रिजल्ट पर मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग विशेष ध्यान दे रहा है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कमजोर विद्यार्थियों के लिए अब अलग से कक्षाएं लगाई जाएंगी। जानकारी के अनुसार शिक्षा की गुणवत्ता और परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए स्कूल शिक्षा विभाग यह प्रयोग कर रहा है। इसके लिए प्रदेश भर के दो हजार से ज्यादा सरकारी स्कूलों के एक लाख 11 हजार विद्यार्थी किए गए चिन्हित। गौरतलब है कि मप्र बोर्ड की 10 वीं का परिणाम पिछले छह वर्षों में इस वर्ष सबसे खराब रहा था। जिसे देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने 10 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम सुधारने के लिए नौवीं कक्षा से जोर देना शुरू कर दिया है। इसके तहत अब उन स्कूलों में सुपर सेक्शन

बनाया जाएगा, जहां 30 से अधिक विद्यार्थी फेल हुए हैं। जानकारी के लिए बतादें कि इस वर्ष 10 वीं का रिजल्ट 58.10 प्रतिशत रहा है। साथ ही इस साल से बेस्ट आफ फाइव योजना भी समाप्त कर दी गई है।

अलग से नियुक्त किए जाएंगे टीचर

जानकारी के अनुसार कक्षाओं में अलग सुपर सेक्शन बनाया जाएगा साथ ही अलग से टीचर भी नियुक्त किए जाएंगे। कमजोर विद्यार्थियों का विकली और मासिक टेस्ट भी होगा। और मूल्यांकन करके जहां कमी है, उसे दूर करने पर फोकस किया जाएगा। गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा विभाग राज्य ओपन बोर्ड के साथ मिलकर काम करेगा। इनके लिए ओपन स्कूल चलाया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10 वीं कक्षा का परिणाम सुधारना है।

तिमाही और छमाही परीक्षा के परिणामों का होगा आकलन

विभाग 9वीं कक्षा से ही गुणवत्ता सुधारने का प्रयास कर रहा है। साथ ही नौवीं कक्षा के तिमाही व छमाही परीक्षा परिणाम के पांच-पांच फीसद अंक वार्षिक परीक्षा के परिणाम में जोड़े जाएंगे। इससे विद्यार्थी तिमाही व छमाही परीक्षाओं को गंभीरता से लेंगे और ध्यान केंद्रित करेंगे।तिमाही व छमाही परीक्षा के परिणामों का भी आकलन किया जाएगा, ताकि वार्षिक परीक्षा में सुधार किया जा सके। कक्षाओं में शिक्षक दो स्तर पर पढ़ाता है। शिक्षक का ध्यान अधिकतर तेज विद्यार्थियों पर ही होता है। साथ ही सामान्य विद्यार्थियों के स्तर पर भी पढ़ाया जाता है। कक्षा के कमजोर विद्यार्थियों पर सामान्यत शिक्षकों का विशेष ध्यान नहीं होता है। उनके लिए अलग से रणनीति बनाकर उन्हें पढ़ाया जाएगा।

ड्रॉपआउट कम करने के लिए कार्यशाला

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल में ह्यविद्यालयों में बच्चों के ड्रॉपआउट कम करने विषय पर आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमारे जीवन को सही दिशा देती है और सरकार का सभी छात्रों की शिक्षा पर पूरा फोकस है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री भी बच्चों की शिक्षा को लेकर बेहद गंभीर हैं और हर बच्चे को शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पूरी कोशिश करेंगे कि कोई भी छात्र ड्रॉप आउट न रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमारे जीवन को सही दिशा देती है और सरकार का सभी छात्रों की शिक्षा पर पूरा फोकस है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री भी बच्चों की शिक्षा को लेकर बेहद गंभीर हैं और हर बच्चे को शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि शिक्षा को बच्चे के पुनर्वास से जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने शिक्षा में अन्य राज्यों में भाषा की रुकावट खत्म की। उन्होंने कहा कि भारत में शिक्षा को संस्कार मना जाता है। कार्यशाला को पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भी संबोधित किया।

पटवारी बोले- शिक्षा के क्षेत्र में आ रही गिरावट

मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष सात लाख कम बच्चों ने प्रवेश लिया है। इसे लेकर कांग्रेस सरकार पर हमलावर हो गई है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि प्रदेश का शिक्षा स्तर लगातार गिरता जा रहा है। पटवारी ने कहा कि वर्ष 2024-25 का शैक्षणिक सत्र शुरू हुए एक माह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन सरकार और स्कूल शिक्षा विभाग अभी तक नींद से नहीं जागा है। पहले से ही 500 से ज्यादा स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी विद्यार्थी ने प्रवेश नहीं लिया है। स्कूल हैं, शिक्षक हैं पर कितनी बड़ी बिडंवना है कि वहां विद्यार्थी नहीं हैं। शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आ रही गिरावट का परिणाम है कि वर्तमान सत्र में सात लाख बच्चे स्कूलों में कम हुए हैं।

भोपाल में दिनदहाड़े हुई लूट का पुलिस ने किया खुलासा

दोस्त ही निकला लुटेरा, चार आरोपी गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के हबीबगंज इलाके में शुक्रवार को दिनदहाड़े हुई 5.25 लाख रुपये की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया गया है। इस मामले में फरियादी के दोस्त समेत कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से लूटी गई रकम और वारदात में प्रयुक्त स्कूटर समेत चाकू बरामद कर लिया गया है। वारदात का मास्टर माइंड फरियादी का दोस्त ही था, जिसने अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। अहमद रजा (18) श्रीराम अपार्टमेंट मालवीय नगर में रहता है। उसके पिता अब्दुल सत्तार मार्बल व्यवसायी हैं। शुक्रवार को पिता ने अहमद को सवा पांच लाख रुपये का चेक देकर बैंक से रकम लाने का बोला था। अहमद चैक लेकर अरेरा कालोनी स्थित एयू स्मॉल बैंक से रुपये निकालने पहुंचा। उसके पास आधार कार्ड नहीं था, इसलिए उसने अपने दोस्त अनस अली को बुलाया. अनस अली ने अपना आधार कार्ड लगाकर रुपये निकलवाए और अहमद रजा को दे दिए। अहमद रजा ने रुपये अपने बैग में रखे और बैग को स्कूटर की डिग्गी में रख लिया। बारिश के कारण अपने दोनों मोबाइल फोन भी बैग में रख लिए थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे अहमद पारुल अस्पताल के आगे सांची पार्लर के पास पहुंचा, तभी स्कूटर सवार नकाबपोश दो बदमाशों ने उसे टक्कर मारकर गिरा दिया और चाकू अड़ाकर चाबी निकालकर

डिग्गी में रखा नोटों भरा बैग लेकर भाग निकले। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूटपाट का मामला दर्ज किया था।

विशेष टीम बनाकर शातिर को पकड़ा

शनिवार को पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने बताया कि दिनदहाड़े हुई इस घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तत्काल ही एक विशेष टीम बनाई गई थी। हबीबगंज थाने के अलावा क्राइम ब्रांच और शाहपुरा पुलिस को भी लगाया गया था। घटनास्थल से लेकर बैंक वाले रूट के सीसीटीवी कैमरे चैक करने पर स्कूटर सवार तीन नकाबपोश संदिग्ध दिखाई दिए। इस दौरान फरियादी की मदद करने वाले दोस्त अनस अली से भी संदेह के आधार पर पूछताछ की गई, जिसके बाद उसने अपने 3 अन्य दोस्तों के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकार लिया। उसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को भारत टाकीज स्थित पुष्पा अपार्टमेंट के पास मैदान से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूटी गई रकम, मोबाइल फोन, वारदात में प्रयुक्त स्कूटर और चाकू बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों का विवरण पुलिस ने फरियादी के दोस्त और आरोपी अनस अली (23) निवासी टीला जमालपुरा के साथ ही अनस अली के दोस्तों अल्ताफ अंसारी (20) निवासी पुष्पा नगर ऐशबाग, अल्फाज खान (24) निवासी सिल्लीखाना तलैया और अयान खान (20) निवासी भारत टाकीज चौराहा तलैया को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त मिश्र ने आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम को 30 हजार रुपए का नकद इनाम देने की घोषणा की है. पुलिस आयुक्त ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों का आपराधिक रिकार्ड निकाला जा रहा है। उसके बाद चारों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाकाल लोक की तर्ज पर बनेगा हनुमान लोक

100 करोड़ की लागत से भोपाल में लेगा आकार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पवित्र नगरी उज्जैन का महाकाल लोक अब देश दुनिया में अपनी खास पहचान रखता है। इसी तर्ज पर अब हनुमान लोक बनाने की तैयारी की जा रही है। राजधानी भोपाल में आकार लेने वाले इस लोक के लिए जगह चिन्हित कर ली गई है। करीब 100 करोड़ की लागत से बनने वाले हनुमान लोक के लिए पीडब्ल्यूडी और नगर निगम संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। जानकारी के मुताबिक राजधानी भोपाल के प्राचीन श्रीखेड़ापति हनुमान मंदिर के पास हनुमान लोक कॉरिडोर बनाने की तैयारी की जा रही है।

इसके लिए जल्द ही पीडब्ल्यूडी और नगर निगम निर्माण शुरू करने वाला है। इसकी लागत करीब 100 करोड़ आंकी गई है। इसके पहले चरण का काम 25 करोड़ रुपए से किया जाएगा। इसी के साथ करीब एक एकड़ में स्थित मंदिर परिसर को संवारने के साथ ही दशहरा मैदान के खुले रूप को संरक्षित रखते हुए, दर्शक दीर्घा, रावण दहन स्थल समेत अन्य निर्माण करवाए जाने हैं।

राजस्थान से आएगा व्हाइट मार्बल

मंदिर परिसर को संवारने के लिए राजस्थान के व्हाइट मार्बल से प्राचीन वास्तुशिल्प नागर शैली के अनुरूप किया जाना है।

इसके अलावा मंदिर परिसर के दर्शक दीर्घा के नीचे 100 से ज्यादा विविध आकारों की दुकानों का निर्माण भी नगर निगम द्वारा किया जाएगा। ये कॉरिडोर करीब 21 एकड़ में बनाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री सारंग ने कहा कि भोपाल के छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर शहर का सबसे प्राचीनतम मंदिर है। यह सदियों से भोपालवासियों की आस्था का केंद्र है। ह्यविरासत भी और विकास भीह्न के मनत्वय के साथ शहर की सबसे प्राचीन विरासत श्री खेड़ापति हनुमान जी के मंदिर को भव्य स्वरूप देने तथा श्रद्धालुओं को समस्त सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए, श्री खेड़ापति हनुमान लोक का प्राथमिक रूपांकन प्लान तैयार हो चुका है।

अब भोपाल से दूर नहीं दुबई और सिंगापुर, जल्द शुरू होंगी उड़ानें

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। लंबे समय से अनुमतियों के चलते सुविधाओं से पिछड़े राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट से अब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की राह आसान हो गई है। इमिग्रेशन चेक और कस्टम आदि की जरूरी मंजूरियां मिल जाने के बाद अब भोपाल से सीधे अन्य देशों की उड़ान शुरू हो जाएगी। राजधानी का यह एयरपोर्ट बाकी सुविधाओं से कई वर्षों पहले ही लैस हो चुका है। जानकारी के मुताबिक, राजा भोज विमानतल को अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू करने के लिए जरूरी इमिग्रेशन चेक एवं कस्टम की सुविधाओं की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके बाद यहां से कई देशों के लिए उड़ान का रास्ता आसान हो गया है। वर्षों से तैयार राजा भोज एयरपोर्ट से फिलहाल अंतर्राष्ट्रीय उड़ान के नाम पर महज साल में कुछ हज उड़ान ही जा पा रही हैं। जबकि इस एयरपोर्ट के बाद आकार लेने वाले इंदौर एयरपोर्ट से कई अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित हो रही हैं।

सांसद शर्मा ने की केंद्रीय मंत्री से मुलाकात

राजाभोज एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू करने की अनुमति मिल चुकी हैं। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद लोकसभा में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय विमानन मंत्री राममोहन नायडू से मुलाकात की। इसके बाद सांसद ने नगर विमानन मंत्री को अवगत कराया कि विमानतल पर सारी सुविधाएं और सेवा की तैयारियां की जा चुकी हैं। ऐसे में भोपाल से अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा जल्द शुरू की जा सकती है। इसके साथ दुबई और सिंगापुर के लिए उड़ान सेवा शुरू करने के लिए सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय मंत्री नायडू को एक पत्र भी सौंपा है।

कलियासोत भदभदा डैम के गेट खुले तो संकट में आ गए 20 परिवार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में पिछले एक सप्ताह से लगातार तेज बारिश का दौर जारी है तेज बारिश के चलते राजधानी के आसपास के सभी डेमो के गेट खोले गए हैं। इनमें मुख्य रूप से कलियासोत और भदभदा डैम के गेट खोलने से समरधा टोला गांव के 20 परिवारों का जीवन संकट में आ गया, प्रशासन को सूचना लगते ही देर रात विश्व परिवार को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाहर निकल गया। कोलार फायर ऑफिसर पंकज खरे ने बताया, रात में ही पिपलिया केशो गांव में नाले की पुलिया भी उफान पर रही। इस वजह से 2 परिवार के 6 सदस्यों का रेस्क्यू किया गया। कोलार एसडीएम रविशंकर राय समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

जाने भोपाल के किस डेम के कितने खुले गेट

राजधानी भोपाल के सभी डेमो के गेट खोले गए हैं जिसमें से कलियासोत डैम के सभी 13 गेट खोल दिए गए हैं। भदभदा डैम के 11 में से 6 गेट खोल दिए गए। देर रात पांच गेट बंद कर दिए गए। अब केबल एक गेट से पानी छोड़ा जा

रहा है। कलियासोत डैम प्रभारी नितिन कुहीकर ने बताया कि डैम में पानी का लेवल 503.4 मीटर रख रहे हैं। इसलिए इतना पानी मेंटेन करके बाकी पानी को गेट के माध्यम से छोड़ रहे हैं। केरवा डैम अभी करीब 30 प्रतिशत खाली है। जबकि कोलार डैम के भी 8 में से 4 गेट खुल चुके हैं। सभी गेट कुल 7 मीटर खोले गए थे।

भोपाल के ज्यादातर डेम हुए फुल

राजधानी भोपाल में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते यहां के कलियासोत डैम और भदभदा फुल हो चुके हैं।

वहीं कोलार डैम के भी गेट खुल चुके हैं। अब सिर्फ केरवा डैम ही ऐसा है, जो 30 प्रतिशत खाली है। कैचमेंट एरिया और सीहोर जिले में 1-2 दिन तेज बारिश होते ही केरवा डैम के गेट भी खुल जांएगे। गौरतलब है कि राजधानी भोपाल में इस साल सामान्य से 106 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान है। पिछली बार 18 प्रतिशत कम यानी, 82 प्रतिशत (30.9 इंच) बारिश हुई थी, जबकि भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अबकी बार भले ही मानसून 3 दिन की देरी से पहुंचा, लेकिन अच्छा बरस रहा है। यहां अब तक 28 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है, जो सीजन की 75 फीसदी है।

सम्पादकीय

बरसात में पहाड़ी इलाकों से हर वक्त बुरी खबर की आशंका

बरसात का मौसम हर वर्ष विकराल तबाही के मंजर लेकर आने लगा है। पहाड़ी इलाकों में तो हर वक्त बुरी खबर की आशंका बनी रहती है। अभी तक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बरसात से जमीन धंसने, घर, पुल, सड़कें, वाहन आदि बह जाने से सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं, सैकड़ों लापता हैं। हजारों लोग जहां-तहां फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने की कोशिशें जारी हैं। इसी हफ्ते केरल के वायनाड में भी भारी तबाही हो गई। भूस्खलन में पूरे के पूरे कई गांव खत्म हो गए। मरने वालों की संख्या 300 के पार पहुंच रही है, बहुत सारे लोग लापता हैं।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से भयंकर विनाश हुआ। बादल फटने की घटना से रामपुर जिले के समेज नाम का एक पूरा गांव तबाह हो गया। इस त्रासदी में इस गांव में सिर्फ एक घर बच गया। समेज गांव की पीड़िता अनिता देवी ने आपदा की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए अपनी हृदय विदारक कहानी मीडिया से साझा की। अनिता देवी ने बताया कि बुधवार की रात जब वह और उनका परिवार सो रहे थे तब एक जोरदार धमाका हुआ और उनका घर हिल गया। उन्होंने कहा, हमने जब बाहर देखा तो पूरा गांव बह चुका था। हम भागकर गांव के भगवती काली माता मंदिर में पहुंचे और पूरी रात वहीं बिताई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू, मंडी और शिमला क्षेत्रों में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के बाद शनिवार तक कुल 53 लोग लापता हैं और छह शव बरामद किए गए हैं। वहीं डीडीएमए के विशेष सचिव डीसी राणा ने कहा कि बाढ़ से 60 से ज्यादा घर बह गए और कई गांव गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। बरसात का मौसम हर वर्ष विकराल तबाही के मंजर लेकर आने लगा है। पहाड़ी इलाकों में तो हर वक्त बुरी खबर की आशंका बनी रहती है। अभी तक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बरसात से जमीन धंसने, घर, पुल, सड़कें, वाहन आदि बह जाने से सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं, सैकड़ों लापता हैं। हजारों लोग जहां-तहां फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने की कोशिशें जारी हैं। इसी हफ्ते केरल के वायनाड में भी भारी तबाही हो गई। भूस्खलन में पूरे के पूरे कई गांव खत्म हो गए। मरने वालों की संख्या 300 के पार पहुंच रही है, बहुत सारे लोग लापता हैं। ऐसे में फिर से वही सवाल उठने लगे हैं, जो कई वर्ष से उठते रहे हैं। इस मुसीबत की बरसात में सबसे प्रमुख सवाल यह उठ रहा है कि बरसात और उससे होने वाली तबाही को लेकर पहले से चेतावनी जारी करने का कोई भरोसेमंद तंत्र क्यों विकसित नहीं किया जाता, जिससे लोगों को समय रहते जोखिम वाली जगहों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। वायनाड के मामले में केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि वहां तीन-चार दिन पहले ही चेतावनी जारी कर दी गई थी कि बारिश से भारी तबाही हो सकती है, मगर राज्य सरकार ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। मगर राज्य सरकार ने ऐसी किसी चेतावनी से इंकार किया है। अब विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा है कि बारिश और भूस्खलन को लेकर पूर्व चेतावनी का व्यावहारिक तंत्र विकसित करने की जरूरत है। बरसात के बारे में चेतावनी मौसम विभाग जारी करता है। मगर अकसर उसके पूर्वानुमान भरोसेमंद साबित नहीं होते। अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जब वह बरसात से होने वाले नुकसान का सही-सही अंदाजा नहीं लगा पाया। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। अंधाधुंध चली विकास परियोजनाओं के चलते अनेक जगहों पर पहाड़ हिल चुके हैं, उनकी मिट्टी भुरभुरी हो चुकी है। जैसे ही तेज बरसात होती है, पहाड़ धंसने लगते हैं। उन पर बने घर, सड़कें और पुल ध्वस्त हो जाते हैं। बरसात की बदलती प्रकृति भी अब किसी से छिपी नहीं है। हिंद महासागर के गर्म होने से इस मौसम में बादल तेजी से बनते और मोटी बूंदों के रूप में बरसने लगते हैं। बादल फट पड़ते हैं। कम समय में बरसे अधिक पानी को पहाड़ झेल नहीं पाते। वायनाड के बारे में भी तथ्य छिपे नहीं थे। वहां का काफी बड़ा इलाका जोखिमभरा है। मिट्टी भुरभुरी होने की वजह से वहां भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है।

मौसम विभाग और भूसर्वेक्षण से जुड़े महकमे अगर परस्पर तालमेल कर अध्ययन करें, तो बरसात के समय होने वाले नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। जोखिम वाले इलाकों पर बारीकी से नजर रखी जाए, तो समय रहते वहां से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के खतरे दिनों-दिन बढ़ रहे हैं। मगर उसके मद्देनजर न तो विकास परियोजनाओं का आकलन किया जाता है और न संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के लिहाज से एहतियाती उपाय किए जाते हैं। बरसात के समय हादसे हो जाने के बाद सब सक्रिय नजर आते हैं, जिन्हें राजनीति करनी होती है, वे उन पर राजनीति भी करते हैं। मगर इस सबके बीच जिन लोगों की जिंदगियां खत्म हो जाती हैं, जिनके घर-परिवार, मवेशी, जमीन-जायदाद नष्ट हो जाते हैं, उनकी भरपाई कभी नहीं हो पाती।

'निजी कोचिंग' के भरोसे 'सरकारी नौकरी' का सपना

सरकार शिक्षा पर बजट कम करती है और इससे बेफिक्र अभिभावक 'डमी' स्कूलों और कोचिंग संस्थानों को चुन लेते हैं। जिन विद्यार्थियों ने यह देखा कि कैसे उनके अभिभावकों ने स्कूल की जगह कोचिंग को चुना, सरकारी की जगह निजी को चुना उनका आगे 'सरकारी' को लेकर रवैया कैसा होगा? सरकारी स्कूलों के मलबे पर महंगे कोचिंग में पढ़ा देश का ज्यादातर युवा सरकारी अधिकारी बनना चाहता है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी?

देश के स्कूलों, कॉलेजों को हिंदी, गणित, विज्ञान, समाजशास्त्र जैसे विषयों को पढ़ाने में नाकाम मान लेने या बना देने के बाद इन शैक्षणिक संस्थाओं की छवि के मलबे पर व्यावसायिक कोचिंग केंद्र बने। अपने घर के पास के स्कूल-कॉलेजों से निराश अभिभावक बच्चों को बड़े शहरों के कोचिंग केंद्रों में भेजने लगे। सरकारी शैक्षणिक संस्थानों के मलबे पर खड़े इन व्यावसायिक केंद्रों में विद्यार्थियों को सरकारी अधिकारी बनने का सपना दिखाया जाता है। जो थोड़े युवा यह सपना पूरा कर भी लेते हैं वे अधिकारी बन कर हर 'सरकारी' को खारिज करने वाली योजनाएं ही बनाते हैं। दिल्ली के राजेंद्र नगर की कोचिंग में तीन विद्यार्थियों की डूब कर हुई मौत के बाद इन संस्थाओं की दिव्य कीर्ति पर जो सवाल उठे हैं वो कोई ठोस रास्ता दिखा पाएंगे या जल्द भुला दिए जाएंगे? जब जमीनी विश्वविद्यालयों का अनुदान सरकार साठ फीसदी तक घटा रही है तो यूट्यूब यूनिवर्सिटी के इन दिव्य गुरुओं की कीर्ति का फलना-फूलना तय है। पेश हैं दिव्य गुरुओं के कोचिंगनुमा आश्रमों पर पनपी आस्था बनाम शिक्षा व्यवस्था पर बेबाक बोल।

दिल्ली का मुखर्जी नगर। साधारण सा सलवार-सूट पहने एक स्त्री यहां के पार्क की बेंच पर बैठी दिख जाती है। वह स्त्री सालों पहले जोशीली युवा के रूप में मुखर्जी नगर आई थी। उसका एक ही सपना था, आईएएस बनने का। पूरी मेहनत के साथ सारे मौके बीत जाने तक उसे सफलता नहीं मिल पाई। सिविल सेवा नहीं तो कुछ भी नहीं वाली मनःस्थिति ने उसका मानसिक संतुलन बिगाड़ दिया। उम्र और मौके खत्म होने के बाद भी वह आज तक मुखर्जी नगर से बाहर नहीं निकल पाई। वह यहीं-कहीं भटकती मिल जाती है।

कुछ समय पहले अखबार में छपी इस रपट को पढ़ने के बाद असली जिंदगी पर बनी फिल्म का कोई शीर्षक सूझेगा तो उसे बारहवीं फेल नहीं, 'यूपीएसएसी फेल' का नाम देना सही लगेगा। राजेंद्र नगर तो प्रतिनिधि प्रतीक है, देश के कई हिस्सों में विद्यार्थियों के ऐसे उपनिवेश बन चुके हैं जो लाखों में से चंद विद्यार्थी के पास होने का उत्सव नहीं बल्कि, 99.9 फीसद से अधिक विद्यार्थियों के नाकाम रहने का मातमी मंच हैं। कोचिंग साम्राज्य के ये उपनिवेश उन हजारों 'यूपीएससी फेल' लोगों के सपनों की कब्रगाह हैं जो सरकारी अफसर बनने में नाकाम होने के बाद कहीं के नहीं रहे। मुश्किल यह है कि बारहवीं फेल होने के बाद आप प्रेरक गुरु तो बन सकते हैं लेकिन 'यूपीएससी फेल' होने के बाद आपके अस्तित्व को शून्य करार दिया जाता है।

सिविल सेवा जिसे सरकार व प्रशासन की अहम इकाई माना जाता है आज उसे बाजार की सबसे बड़ी इकाई बना दिया गया है। हिंदुस्तान के हर छोर के गांव-कस्बे से युवा अपने नजदीकी महानगरों में बने सपनों के उपनिवेश किसी राजेंद्र नगर में पहुंच रहे हैं। सरकारी सेवाओं के लिए सीटें तो सीमित हो रही हैं, लेकिन इसके लिए दिखाए जा रहे सपनों का असीम विस्तार हो रहा है। ग्रामीण इलाके के लोग अपने खेत बेच कर बच्चों को सिविल सेवा की तैयारी करवाने वाले कोचिंग में पढ़ने के लिए भेज रहे हैं।

स्कूल, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय जैसे शब्द सुनते ही आपकी आंखों के सामने किसी हरे-भरे खुले परिसर की तस्वीर उभरती है। यह खुला, बड़ा परिसर जनता के आयकर से चलता है, जिसे सरकारी कहते हैं। लेकिन, बाजार ने कोचिंग जैसा उत्पाद बना कर ऐसे शिक्षा संस्थानों को नाकाम करने की कोशिश की जहां हर वर्ग से आए विद्यार्थी को लगता था कि उसके सपनों के लिए कितनी खुली जगह है। यहां से सपने जिस भी दिशा की हकीकत बनें कबूल है।

ऐसी ही 'सरकारी' छवियों की हत्या कर कोचिंग संस्थानों ने हमारे विद्यार्थियों को तंग जगह वाले कोचिंग केंद्रों में भेजा। युवाओं के सपनों पर इस कोचिंग बाजार की समांतर सत्ता स्थापित हो गई। शिक्षा की शास्त्रीय परिभाषा को खत्म कर कोचिंग गुरुओं ने 'यूट्यूब यूनिवर्सिटी' की स्थापना की। अब कोचिंग गुरु 'रील मास्टर' भी हो गए। हर किसी के फोन के सोशल मीडिया मंच पर ये व्यक्तित्व विकास के इतने गुर देते हैं कि एक विद्यार्थी के लिए एकल जीवन में अपने व्यक्तित्व का इतना विस्तार करना तो असंभव ही है।

कोचिंग गुरुओं की प्रेरक रील के असर से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का इतना विकास होता है कि वे कोचिंग संस्थानों में प्रवेश के वक्त यह भी नहीं पूछते कि उनके संस्थान में आग से बचने या किसी तरह की आपात स्थिति से निपटने के क्या इंतजाम हैं? पिछले साल जब सिविल सेवा की परीक्षा की तैयारी करवाने वाली कोचिंग की एक इमारत में आग लग गई तो वहां से कूद कर जान बचाते विद्यार्थियों का वीभत्स दृश्य भी आगे उन्हें ऐसे सवाल पूछने की प्रेरणा नहीं दे सका कि इतनी फीस लेने के बाद आप हमें किस तरह के सुरक्षा इंतजामात दे रहे हैं।

सिविल सेवा परीक्षा में साक्षात्कार को अहम हिस्सा माना जाता है। कोचिंग के बाजार दिव्य गुरुओं के द्वारा लिए छद्म साक्षात्कारों को इंटरनेट पर वायरल करवाते हैं। कोचिंग बाजार ने साक्षात्कारों से पहले विद्यार्थियों को छद्म बनाया है। सरकारी स्कूलों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों की साख खत्म करवाई कि वहां पढ़ाई नहीं होती है। डाक्टरी, इंजीनियरिंग की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले कोचिंग संचालक अभिभावकों को पहली सलाह विद्यार्थियों को 'डमी' बनाने की देते हैं। वे पहला सपना अभिभावकों की आंखों में पिरोते हैं और उन सपनों की 'डमी' विद्यार्थियों की आंखों में आती है। यानी ग्यारहवीं-बारहवीं के लिए अभिभावक बच्चों को किसी ऐसे स्कूल में डाल दें जहां बच्चों के लिए कक्षा में उपस्थिति अनिवार्य न हो। बच्चे सालों भर कोचिंग में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर 'डमी स्कूल' से ग्यारहवीं-बारहवीं के इम्तहान भर देते हैं।

कोचिंग संस्थानों की इस दिव्य कीर्ति के पीछे परिवार से लेकर सरकार तक है। सरकार शिक्षा पर बजट कम करती है और इससे बेफिक्र अभिभावक 'डमी' स्कूलों और कोचिंग संस्थानों को चुन लेते हैं। जिन विद्यार्थियों ने यह देखा कि कैसे उनके अभिभावकों ने स्कूल की जगह कोचिंग को चुना, सरकारी की जगह निजी को चुना उनका आगे 'सरकारी' को लेकर रवैया कैसा होगा? सरकारी स्कूलों के मलबे पर महंगे कोचिंग में पढ़ा देश का ज्यादातर युवा सरकारी अधिकारी बनना चाहता है इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी?

महंगे कोचिंग में पढ़े युवा जब दिव्य गुरुओं के वायरल छद्म साक्षात्कार में देश के अंतिम व्यक्ति के लिए काम करने की बात करते हैं, महात्मा गांधी, मदर टेरेसा को अपना आदर्श बताते हैं तो वहीं से आगे के लिए एक छद्म सरकारी अफसर भी बनता दिखता है जो आगे चलकर हर 'सरकारी' को खारिज करने की योजनाएं बनाएगा। उनके दिव्य गुरु भी रील में इतिहास और हिंदी पढ़ाने के बाद यह बताने लगते हैं कि पीतल के बर्तन में खाना बनाने का क्या फायदा होता है।

आफएएस बनाने का दावा करने वाले इन दिव्य गुरुओं के कोचिंग केंद्र उन कथित बाबाओं के आश्रमों और डेरों से कम बड़ी मुसीबत नहीं हैं जो जनता की धार्मिक भावनाओं का दोहन करते हैं। इंटरनेट के जरिये इन्होंने अपनी कीर्ति इस तरह फैलाई है कि अब हर अभिभावक किसी भी कीमत पर इन दिव्य गुरुओं के पास अपने बच्चों को भेजना चाहता है।

जब ऐसे ही किसी कीर्तिमान वाले केंद्र पर आग लगती है, विद्यार्थी कूद कर जान बचाते हैं तो हम थोड़ा चौंकते हैं, लेकिन फिर अंधविश्वास में आंख मूंद लेते हैं। आग से बचने के लिए कूदते विद्यार्थियों को भूल जाने वाला समाज आज विद्यार्थियों के डूब कर मरने पर रो रहा है। मुश्किल है कि इस बार भी हम सिर्फ तीन युवाओं के लिए रोएंगे। जब तक पूरी शिक्षा व्यवस्था के लिए नहीं रोएंगे तब तक हर अभिभावक का बच्चा इसी तरह असुरक्षित होगा। दिव्य-गुरुओं का मायाजाल इतना कमजोर भी नहीं है। आज कठघरे में सबसे पहले वह परिवार भी है जो इस व्यवस्था के अनुकूल है। उसे दम तोड़ते सरकारी स्कूल-कॉलेज की फिक्र नहीं है। सार्वजनिकता से निजता की ओर बढ़ते ढांचे का प्रतीक हैं कोचिंग केंद्र।

भारत का ग्रामीण व अर्द्ध-शहरी समाज अब भी सामंतवाद की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाया है। वह अभी भी प्रशासकीय सर्वोच्चता में जाने के ही सपने देखता है। विरासत में मिले खेत बेच कर अपने अधूरे सामंती सपनों की विरासत बच्चों को सौंप देते हैं कि आईएएस, आईपीएस बनेगा तो पूरा खानदान 'सुधर' जाएगा। सरकारी संस्थाओं की कब्र पर सरकारी नहीं तो कुछ नहीं बनने का यही सपना कोचिंग गुरुओं की दिव्य कीर्ति का कारण है। अपने सपनों को सामंती संकुचन से बाहर निकालिए। अगर समाज और सरकार के खड़े किए गए स्कूल और कॉलेज इंजीनियर, डॉक्टर व प्रशासनिक अधिकारी नहीं बना सकते हैं तो इस ढांचे को दुरुस्त कीजिए न कि अपने और अपने बच्चों के सपनों को किसी कोचिंग कारोबारी के हवाले कर दीजिए।

हल्के में न लें हाथी को!... रोबोट की पकड़ मजबूत बनाने के लिए सूंड के जैव शास्त्र की मदद ली जा रही

रोबोट भले कैसा भी हो, उससे यह उम्मीद रहती है कि वह वस्तुओं को उठाकर दूसरी जगह तक ले जाए और व्यवस्थित ढंग से रख भी दे। ऐसे में, रोबोट निर्माता कंपनियां इस चीज पर सबसे ज्यादा ध्यान देती हैं कि रोबोट के हाथ वस्तुओं पर अपनी मजबूत पकड़ कैसे बनाएं। इस मामले में रोबोटिक विज्ञान की दिलचस्पी हाथियों की सूंड में बढ़ी है। एक हाथी अपनी सूंड का उपयोग जिस तरह करता है, वह देखना दिलचस्प है। हाथी अपनी सूंड का उपयोग खाने, पीने, संवाद करने, खोजने, सामाजिक व्यवहार और चीजों को बनाने व बिगाड़ने में करता है।सूंड की मांसपेशियां इतनी मजबूत होती हैं कि मजबूत से मजबूत पेड़ तक को उखाड़ फेंके। हालांकि हाथी इस सूंड का उपयोग बेहद सटीकता से करता है। मनुष्य के हाथ में अंगुलियां जो काम करती हैं, वह हाथी अपनी सूंड से करता है।मैं वैज्ञानिकों के उस समूह का हिस्सा थी, जिसने अफ्रीकी सवाना हाथियों का परीक्षण यह देखने के लिए किया कि उनकी सूंड की नोक कितना बल लगाती है। हाथी की सूंड की मांसपेशियों में कोई हड्डी नहीं होती है। कई तंत्रिकाएं होती हैं, जो इसे किसी चीज को पकड़ने के लिए बहुत ताकत, सटीकता और संवेदनशीलता प्रदान करती हैं।

हाथी की सूंड की नोक पर दो उंगलियों जैसे उभार होते हैं ऊपर की तरफ नुकीला और नीचे की तरफ ज्यादा गोल और छोटा उभार। हमने यह भी अध्ययन किया कि सूंड की स्थिति हाथी द्वारा लगाए जाने वाले बल को कैसे प्रभावित करती है।

रोबोट बनाने वाले इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरों ने प्राकृतिक जैविक ऊतक के लचीलेपन और तरीके की नकल करने की कोशिश की है, जिससे वे अलग-अलग काम करते समय मुड़ सकते हैं। इसे जैव-प्रेरित तकनीक के रूप में जाना जाता है। यह सॉफ्ट रोबोटिक्स में उपयोगी है, जो रोबोट के डिजाइन और निर्माण पर केंद्रित है। पिछले 20 वर्षों से, हाथी की सूंड ने इस शोध को प्रेरित किया है। यह रोबोट के सॉफ्ट ग्रिपर्स के भावी विकास के लिए उपयोगी है। सॉफ्ट ग्रिपर्स रोबोट की भुजा के अंत में लगा उपकरण होता है, जो चीजों को पकड़ने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है।

टैक्स मजबूरी या जिम्मेदारी, जब अमेरिका में कार्टून चरित्र ही बना कर प्रचारक

टैक्स से चिढ़ ऐतिहासिक है। सरकारें टैक्स लगाए बिना चल नहीं सकती। यह जद्दोजहद तारीखी हो चुकी है। दिलजले कहते हैं कि जुर्माना तो कुछ गलत करने पर चुकाना पड़ता है, पर टैक्स तो हमारे सभ्य और ईमानदार होने का जुर्माना है, जो सरकारें गला पकड़ कर वसूलती हैं। जैसे ताजा बजट को लीजिए, सरकार ने आयकर में चने-चवेना लेने भर की जितनी रियायत दी, उससे ज्यादा निवेश पर टैक्स बढ़ाकर निचोड़ लिया। अमेरिकी हास्य अभिनेता टेरी प्रैचेट कहते थे कि मौत और टैक्स में मौत बेहतर है, क्योंकि वह एक बार ही आती है। दूसरी तरफ, सरकारों को लगता है कि लोग टैक्स ही नहीं चुकाते। भारतीय नेताओं की तो यह स्थायी शिकायत है कि यहां लोग टैक्स नहीं देते। यह बात दीगर है कि टैक्स और उसका संग्रह बढ़ता जाता है। यह बहस अनंत काल से चल रही है कि टैक्स मजबूरी है या जिम्मेदारी। सरकारें हमेशा से ऐसे जतन करती रही हैं कि अधिक से अधिक लोगों को टैक्स चुकाने पर राजी किया जाए। एक बार अमेरिका में तो राजस्व की कमी से परेशान सरकार ने एक कार्टून चरित्र को ही अपना टैक्स प्रचारक बना दिया। आइए, पकड़िए अपनी सीट टाइम मशीन में...

हम उड़ चलते हैं अमेरिका की तरफ, जहां चुनाव की गहमागहमी बढ़ रही है। मगर हम कमला हैरिस या डोनाल्ड ट्रंप से मिलने नहीं जा रहे हैं। हम सीधे पहुंच रहे हैं 1930 के दशक में, जो अमेरिका का सबसे घटनाबहुल दशक था। इसी दौरान आई थी महामंदी, फिर दूसरा विश्वयुद्ध और पर्ल हार्बर पर जापान का हमला। हम मिलने वाले हैं हेनरी मोर्गनथाउ जूनियर से, जो अमेरिका के सबसे मशहूर यहूदी हैं। वाशिंगटन के गलियारे उनकी ताकत और सूझबूझ से लबरेज हैं। हेनरी मोर्गनथाउ के पिता हेनरी मोर्गनथाउ सीनियर भी खासे नामवर व्यक्ति थे। मगर बेटा बाप से बहुत आगे है। अब हमारे सामने जो घटने वाला है, वह हेनरी मोर्गनथाउ जूनियर को इतिहास में अनोखी जगह देगा। वाशिंगटन के कॉफी हाउस में आपने यह सुन ही लिया होगा कि मोर्गनथाउ खेती के विशेषज्ञ हैं। पहले विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी सरकार के खेती विभाग में काम कर चुके हैं। वह राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर का कार्यकाल था। पर वाशिंगटन में उनका रसूख बढ़ा फ्रैंकलिन रूजवेल्ट के साथ। रूजवेल्ट और मोर्गनथाउ के बीच गाढ़ी दोस्ती के किस्से खूब सुने जा रहे हैं। यह साल 1934 है। रूजवेल्ट राष्ट्रपति हैं और मोर्गनथाउ उनके वित्त मंत्री। मोर्गनथाउ रूजवेल्ट के मंदी निवारण अभियान के वित्तीय मैनेजर थे। अमेरिका को गहरी मंदी से उबारने के लिए संसाधनों का जुगाड़ मोर्गनथाउ ने ही किया है। आपको पता तो चल ही गया होगा कि दूसरे विश्वयुद्ध की तोपें गरजने लगी हैं। हिटलर के यहूदी संहार के खिलाफ अमेरिका की सबसे बड़ी आवाज बनकर गरज रहे हैं हेनरी मोर्गनथाउ। उनके कहने पर अमेरिकी सरकार ने बार रिफ्यूजी बोर्ड बनाया है, जिससे जनसंहार के शिकार यहूदियों को मदद दी जा रही है। इस बीच पर्ल हार्बर पर जापान ने हमला कर दिया है। दूसरे विश्वयुद्ध से अब तक दूर रहा अमेरिका अब इस लड़ाई में कूदने वाला है। मगर हम यहां से उड़ चलते हैं कैलिफोर्निया, क्योंकि टैक्स की जिस कहानी को तलाशते हुए हम करीब 80 साल पीछे आए हैं, उसके लिए मनोरंजन के नायक वाल्ट डिज्नी से मिलना होगा। हां, वही डोनाल्ड डक, मिकी माउस और इन जैसे असंख्य चरित्र देने वाले प्रसिद्ध कार्टून महानायक वाल्ट डिज्नी। अमेरिका विश्वयुद्ध में शामिल होने के लिए हथियार बांध रहा है। वित्त मंत्री मोर्गनथाउ को युद्ध के लिए संसाधन चाहिए। अमेरिका में वार बॉन्ड जारी कर दिए गए हैं। मोर्गनथाउ को लगता है कि अगर अमेरिकी लोगों को समय पर टैक्स चुकाने के लिए प्रेरित किया जाए, तो संसाधनों की किल्लत दूर हो जाएगी।

यह दिसंबर, 1941 है। युद्ध की तैयारियों के बीच हम बरबैंक, कैलिफोर्निया आ गए हैं, जहां वाल्ट डिज्नी मोर्गनथाउ का संदेश पढ़ रहे हैं। बरबैंक से पहली उड़ान पकड़ डिज्नी वाशिंगटन डीसी पहुंच रहे हैं। डिज्नी को लगा था कि उन्हें युद्ध बॉन्ड के प्रचार में मदद करनी होगी, मगर मोर्गनथाउ का एजेंडा दूसरा था। मोर्गनथाउ ने डिज्नी स्टूडियो को ऐसी फिल्म बनाने के लिए कहा है, जो लोगों को वक्त पर टैक्स चुकाने के लिए प्रेरित करे। केवल छह सप्ताह का समय दिया गया है। यह फिल्म फरवरी, 1942 तक सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। डिज्नी स्टूडियो में बनती सभी फिल्में रोक कर एक शॉर्ट फिल्म पर काम शुरू हो गया है। डोनाल्ड डक सबसे बड़ा कार्टून स्टार है, जो इस फिल्म का नायक होगा। जो ग्रांट और विल ह्यूमर ने फिल्म लिख डाली है। नाम है द न्यू स्पिरिट। स्टोरीबोर्ड लेकर वाल्ट डिज्नी फिर वाशिंगटन लौट आए हैं। बैठक लगी है। मगर यह क्या? मोर्गनथाउ डोनाल्ड डक के प्रशंसक नहीं हैं, उन्हें फिल्म का मजमून पसंद नहीं आया। कार्टूनों के निर्माता डिज्नी वित्त मंत्री मोर्गनथाउ से नाराज हैं। हों भी क्यों न? डोनाल्ड डक, डिज्नी स्टूडियो का मेगास्टार है। उसके नाम पर फिल्में दौड़ती हैं। यह फिल्म सिनेमावरों को मुफ्त दी जानी है, जिसके कारण डिज्नी स्टूडियो की अन्य फिल्मों की बुकिंग कैंसिल हो रही है। डिज्नी की कंपनी को 40,000 डॉलर का नुकसान होने जा रहा है। इधर 10 लाख डॉलर का कर्ज बैलेंस शीट में खड़ा है। डिज्नी स्टूडियो वहुत कुछ कुर्बान कर रहा है, मगर मोर्गनथाउ को फिल्म समझ में ही नहीं आ रही। पर वक्त डिज्नी के साथ है, मोर्गनधाउ के साथ नहीं। सरकार के पास वक्त कम है। अमेरिका में आयकर रिटर्न भरने की तारीख 15 मार्च तक है। इसलिए द न्यू स्पिरिट को मंजूरी मिल ही गई। अब हम न्यूयॉर्क के सिनेमाघर के सामने हैं। यहां पहली बार द न्यू स्पिरिट दिखाई जा रही है। फिल्म छा गई है। इस फिल्म में डोनाल्ड डक एक अभिनेता है। उसे टैक्स चुकाने का राष्ट्रीय कर्तव्य समझ में आता है, तो वह उत्साह में अपना रिटर्न लेकर सीधे वाशिंगटन पहुंच जाता है। इस फिल्म का डायलॉग मशहूर होने लगा है- टैक्सेस टू बीट द एक्सिस। अर्थात हिटलर-मुसोलिनी के गठजोड़ (एक्सिस) को हराने के लिए टैक्स चुकाना जरूरी है। अमेरिकी अखबार बता रहे हैं कि द न्यू स्पिरिट सुपरहिट हुई है। टाइम मशीन में वापसी के सफर में आपको पता चलेगा कि 1941 में अमेरिका में 1.3 करोड़ लोगों ने टैक्स भरा था। मगर डोनाल्ड डक के प्रोत्साहन से इसकी तादाद पांच करोड़ हो गई। यह खबर पढ़ते हुए आप कुर्सी की पेटी बांधिए कि वॉल्ट डिज्नी को अमेरिकी सरकार से इस फिल्म की लागत का भुगतान नहीं हुआ। डिज्नी को करीब 80,000 डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। जब यह खबर बाहर आई कि वाल्ट डिज्नी फिल्म को पेमेंट मांग रहे हैं, तो नाराज लोगों ने नो डाइम फॉर डिज्नी का अभियान शुरू कर दिया।

कटनी के शिक्षक पर गंभीर आरोप

विकलांग प्रमाण पत्र और संतान की जानकारी छुपाकर कर रहा है नौकरी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के ढीमरखेड़ा तहसील के ग्राम परसेल स्थित शासकीय स्कूल में पदस्थ शिक्षक श्याम सुंदर पटेल के खिलाफ एक अजीब ही मामला प्रकाश में आया है इस शिक्षक पर आरोप है की यह 50 प्रतिशत का विकलांग प्रमाण पत्र लगा एवं अपनी जीवित तीसरी संतान की जानकारी छुपा संविधान के साथ धोखा धडी कर नौकरी तो कर ही रहा है वही शिकायतकर्ता की धर्म पत्नी को भी अपने पास रखे हुए है, कई सालो से परेशान जबलपुर के सिहोरा निवासी एक पीड़ित कई सालो से लगातार शिक्षा अधिकारी से शिकायत कर रहा है, वही जिला शिक्षा अधिकारी इस मामले में जांच चलने की बात कह पूरे मामले पर पर्दा डालते दिखाई दिए। कटनी कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे जबलपुर के सिहोरा निवासी पीड़ित रामजी पटेल नमक व्यक्ति ने आरोप लगाया की कटनी जिले के

ढीमरखेड़ा तहसील के ग्राम परसेल स्थित शासकीय स्कूल में पदस्थ शिक्षक श्याम सुंदर पटेल 50 प्रतिशत का विकलांग प्रमाण पत्र लगा एवं अपनी जीवित तीसरी संतान की जानकारी छुपा संविधान के साथ धोखा धडी कर नौकरी तो कर ही रहा है जिसकी शिकायत उसने कई बार जिला शिक्षा अधिकारी से कर चुका है वही पीड़ित रामजी पटेल ने यह आरोप भी लगाया है की उसकी धर्मपत्नी को भी वह बहला फुसला कर अपने पास रखे हुए है। शिकायतकर्ता रामजी पटेल ने आरोप लगाते हुए बताया की वह जबलपुर सिहोरा निवासी है, और वह कई सालो से लगातार शिक्षा विभाग से इस मामले की शिकायत कर चुका है लेकिन आज दिनाक तक किसी भी तरह कोई कार्यवाही नहीं हुई है, वही जब इस पूरे मामले में शिक्षा अधिकारी पृथ्वी पाल से बात की गई तो उनका कहना था की इस पूरे में जांच कराई जा रही है और जांच रिपोर्ट आने पर इस शिक्षक के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

डीएम ने तहसील बेहट में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी समस्याएं

प्रकरणों को गम्भीरता से सुनते हुए समय सीमा के अन्दर करें निस्तारित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा तहसील बेहट में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में आए हुए लोगों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी विवादों के निस्तारण हेतु राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर समय से कार्यवाही की जाए। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण की दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि जिला स्तरीय अधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। इसी के साथ प्रतिदिन अपने कार्यालय में प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक जनसुनवाई करते हुए शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण

निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्याओं का समयबद्धता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी। डीएम मनीष बंसल ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ पात्रों को दिलाने में लापरवाही न बरती जाएं। उन्होंने कहा कि पेंशन संबंधी पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। वृद्ध एवं दिव्यांगों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रोहित सिंह सजवान ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के संदर्भ में कहा कि शिकायतों का गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण किया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 59, पुलिस विभाग की 13, विद्युत विभाग की 09, जिला पंचायती राज विभाग की 05, जल निगम की 07, आपूर्ति विभाग की 10, सिंचाई विभाग की 04, विकास विभाग की 16, शिक्षा विभाग की 02, चकबंदी विभाग की 02, लोक निर्माण विभाग की 02, जिला पंचायत की 02, समाज कल्याण की 01, डीआरडीए की 02, एलडीएम की 01 एवं डीएफओ की 01 कुल 136 शिकायतें प्राप्त हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, उपजिलाधिकारी बेहट मानवेन्द्र सिंह, तहसीलदार बेहट प्रकाश सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कटनी जिला शिक्षा समिति की बैठक का हुआ आयोजन

शासकीय स्कूलों के मध्यान भोजन की गुणवत्ता और नई पहल पर चर्चा

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के शहरी शासकीय स्कूलों में पहुंचने वाले मध्यान भोजन की खराब गुणवत्ता और समय से स्कूलों तक न पहुंचाने के मामले की शिकायत को देखते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक कर आक्रोश व्यक्त किया है वही शहर के शासकीय स्कूल के मध्यान भोजन बनाने के लिए कई समूह की 5 से 7 सौ महिलाओं के लिए रोजगार के लिए प्रस्ताओं भी रखा है। वही स्कूलों में हर रोज बच्चों को मिलने वाले मध्यान्ह भोजन से अलग हटकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने एक नई पहल भी करते हुए जिले की स्कूलों में हर सप्ताह के एक दिन अपनी ओर से स्वरूचि भोज के आयोजन की शुरूआत भी की है। अशोक विश्वकर्मा का कहना है कि स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं

रहती है। इस संबंध में लगातार संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित कराया गया है। इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। जिस समस्या को देखते हुए उन्होंने शहर की स्कूलों के लिए मध्यान भोजन बनाने के लिए 5 से 7 सौ महिलाओं का समूह बनाने उनका द्वारा स्कूल के लिए मध्यान भोजन बनाने के लिए एक प्रस्ताओ रखा है। जिससे महिलाओं को रोजगार भी मिल सकेगा और बच्चो को अच्छा और समय से मध्यान भोजन मिल सकेगा। वही अशोक विश्वकर्मा ने यह भी कहा कि एक ऐसी पहल की भी उनके द्वारा शुरुआत की गई है जिसमे सप्ताह में एक दिन बच्चों को गुणवत्तायुक्त एवं स्वादिष्ट भोजन मिलाना भी शुरू हो चुका है, शासकीय हाईस्कूल देवराखुर्द में भी स्वरूचि भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को टॉफी वितरण करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई और पढ़ाई के प्रेरित किया गया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने शिक्षा के स्तर को सुधारने के निर्देश दिए। स्कूल में पानी की कमी को देखते हुए अशोक विश्वकर्मा द्वारा सबमर्सिबल पंप की व्यवस्था कराई गई। जिससे अब छात्रों को पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

बेसमेंट में संचालित गतिविधियों और उनके मानक सुरक्षा उपायों तथा उनके निर्माण की वैधता आदि की होगी जांच

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, नगर निगम सहारनपुर के भवनों में बनाये गए बेसमेंट नक्शे के अनुरुप सही बनाये गए है या नहीं तथा उनका उपयोग स्वीकृत मानदण्डों के अनुसार हो रहा है या नहीं पर नगरायुक्त संजय चौहान ने इसकी जांच के लिए निर्माण अधिकारियों को निर्देश दिए है और निगम के मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में जलभराव से घटित जनहानि सम्बंधी दुर्घटना के दृष्टिगत बेसमेंट्स की सुरक्षा और अपेक्षित सावधानी के लिए शासन के आदेशों के अनुपालन में निगम ने यह कदम उठाया है। मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह ने बताया कि अवर अभियंताओं की

टीम बेसमेंट की जांच के लिए लगायी गयी है। उन्होंने बताया कि जो बेसमेंट बिना मानचित्र स्वीकृति या स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्मित है, उन मानचित्रों को चिह्नित कर निगम द्वारा उसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जायेगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि अनेक भवनों में पार्किंग के उद्देश्य से बेसमेंट के मानचित्र स्वीकृत कराये गए हैं लेकिन उनका उपयोग अन्य उपयोग के लिए किया जा रहा है, जो नियम विरुद्ध है। मुख्य अभियंता ने बताया कि शासन के आदेशों और नगरायुक्त के निर्देशों के अनुपालन में सभी बेसमेंट में संचालित गतिविधियों और उनके मानक सुरक्षा उपायों तथा उनके निर्माण की वैधता आदि को लेकर जांच करायी जा रही है। उन्होंने बताया कि शासन ने यह भी निर्देश दिए है कि जहां बेसमेंट स्वीकृत है, वहां भी मानसून में खुदाई न करायी जाए,और यदि अपरिहार्य परिस्थितियों में खुदाई किया जाना आवश्यक हो तो समुचित मानक सुरक्षा उपायों के साथ ही खुदाई की जाए। ताकि कार्यरत श्रमिकों एवं अन्य को जान माल का खतरा उत्पन्न हो।

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की प्रेस वार्ता

विकास कार्यों को लेकर की पत्रकारों से चर्चा

अरविंद सिंह पवैया। सिटी चीफ ग्वालियर, केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया लगातार ग्वालियर के विकास के लिए नए नए प्रोजेक्ट लाने का प्रयास कर रहे हैं। अभी हाल ही में ज्योतिरादित्य सिंधिया दो। दिवसीय दौरे पर ग्वालियर आए हुए हैं जहां उन्होंने प्रेस से चर्चा करते हुए विकास की योजना की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने साफ कहा कि उनका उद्देश्य केवल ग्वालियर नहीं बल्कि पूरे ग्वालियर चंबल अंचल का विकास करना है। सिंधिया ने

कहा, मोदी सरकार ने बीते कुछ दिनों में ग्वालियर को एक हजार करोड़ से ज्यादा के विकासकार्य की सौगात दी है। कल पीएम नरेंद्र मोदी केबिनेट ने 8 राष्ट्रीय हाई स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनमें ग्वालियर से आगरा के बीच 6 लेन हाई स्पीड कॉरिडोर भी शामिल है। इस एक्सप्रेस वे का निर्माण मौजूदा ग्वालियर-आगरा नेशनल हाइवे से करीब 6 किलोमीटर की दूरी पर होगा। इसके बनने बनने के बाद आगरा से ग्वालियर की दूरी मौजूदा 121 किलोमीटर से घटकर 88.4 किलोमीटर रह जाएगी। आगरा-ग्वालियर हाईवे से अभी दोनों शहरों के बीच का सफर ढाई घंटे में पूरा होता है। लेकिन, आगरा-ग्वालियर हाई स्पीड रोड कॉरिडोर बन जाने से यह सफर केवल एक घंटे का ही रह जाएगा।

उप्र पिछड़ा आयोग के पूर्व सदस्य जयप्रकाश तोमर ने कहा

ओबीसी आरक्षण में वर्गीकरण व्यवस्था लागू की जाए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश पिछड़ा आयोग के पूर्व सदस्य जयप्रकाश तोमर ने इस बात पर बल दिया है कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जाए। जो पंड़ित दीनदयाल उपाध्याय की सोच थी। जयप्रकाश तोमर ने कहा कि राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान तत्कालीन मंत्री हुकुम सिंह की अध्यक्षता में सामाजिक न्याय समिति का गठन किया था। जिसका मकसद था कि जो अति पिछड़ी और सर्वाधिक पिछड़ी

जातियां हैं उनकी पहचान की जाए और ऐसी व्यवस्था की जाए कि उनको भी आरक्षण का लाभ मिल सके।जयप्रकाश तोमर ने कहा कि इतने वर्षों के बाद भी आज हम मानते हैं कि मुख्यमंत्री के रूप में राजनाथ सिंह का वह कदम सामाजिक न्याय के हक में क्रांतिकारी फैसला था। लेकिन उन्हीं की सरकार के राजस्व मंत्री अशोक यादव ने उसे कोर्ट में चुनौती दे दी थी और कोर्ट ने उसे लागू होने से रोक दिया था। राजनाथ सिंह ने अशोक यादव को मंत्रिमंडल से बर्खास्त भी कर दिया था। जयप्रकाश तोमर ने कहा कि ओबीसी आरक्षण का लाभ पिछड़ों, अति पिछड़ों और सर्वाधिक पिछड़े वर्ग के लोगों को मिलना ही चाहिए। राजनाथ सिंह ने पिछड़ी जातियों का वर्गीकरण कराकर तर्कसंगत काम किया था।

सरकारी भवन को तोड़ फोड़ कर दुकान लगाने वालो पर FIR दर्ज हो – अनीश

ग्राम पंचायत ने कार्यवाही हेतु पारित किया प्रस्ताव

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, ब्लाक की सबसे बड़ी व मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा अंतर्गत बस स्टैंड व पुलिस थाना लालबर्रा के निकट विधायक निधि से निर्मित शासकीय भवन का निर्माण किया गया था जिसका सम्पूर्ण रख रखाव व देख रेख ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के द्वारा किया जाते रहा है किंतु विगत लगभग 1 वर्ष पूर्व लालबर्रा के शैलेंद्र जैन व देवेंद्र जैन दोनो सगे भाइयों के द्वारा उक्त शासकीय सामुदायिक भवन में तोड़ फोड़ कर सटर लगाकर अवैध रूप से कब्जा कर अपना व्यवसाय किया जा रहा है जिस पर ग्राम पंचायत के द्वारा प्रस्ताव पारित कर दोनो भाइयों के विरुद्ध पुलिस थाना लालबर्रा में शासकीय संपत्ति में तोड फोड व अवैध रूप से कब्जा कर ग्राम पंचायत को लाखों रुपये की छती पहुचाये जाने पर कठोर कार्यवाही हेतु आवेदन किया गया है। ज्ञात हो कि ह्रदय स्थल लालबर्रा बस स्टैंड में पुलिस थाना के निकट ही विधायक विकास निधि से शासकीय समुयायिक भवन का निर्माण

लगभग 10 वर्ष पूर्व किया गया था जिसका उपयोग शासकीय व अन्य कार्य हेतु किया जाते रहा है ग्राम पंचायत द्वारा शासन की आनन्दम योजना, नेकी की दीवार, गर्मियों में सार्वजनिक पेयजल प्याऊ सहित अन्य कार्य होते थे किंतु विगत वर्ष से लालबर्रा के शैलेंद्र जैन व देवेंद्र जैन के द्वारा इसमे तोड़फोड़ कर अवैध रूप से कब्जा कर फर्जी तरीके से दुकान लगाया जा रहा है। ज्ञात हो कि नगर मुख्यालय स्थीत शासकीय समुयायिक भवन जिसकी मार्केट कीमत करोड़ो रूपये में है उस भवन को तोड़ फोड़कर 6 सटर वाली दुकान बनाकर अवैध रूप से कब्जा किया गया है।

जल्द कार्यवाही नही हुई तो होगा बड़ा आंदोलन- अनीस खान

इस सम्बंध में ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा सरपंच अनीस खान ने बताया कि नगर के दो सगे भाइयों शैलेंद्र जैन व देवेंद्र जैन के द्वारा नगर मुख्यालय मुख्य मार्ग पर स्थित शासकीय समुयायिक भवन पर तोड़ फोड़ कर अवैध रूप से कब्जा किया गया है जिन पर कठोर कार्यवाही करने हेतु स्वयं उनके व ग्राम पंचायत सचिव द्वारा कार्यवाही करने हेतु पुलिस थाने में लिखित शिकायत की गई है तथा पुलिस प्रशासन से कठोर कार्यवाही की मांग की गई है।इस हेतु ग्राम पंचायत से प्रस्ताव भी पारित किया गया है। उक्त सरकारी भवन में अनेको सरकारी कार्यक्रम भी सम्पन्न हो चुके हैं। उक्त शासकीय सम्पत्ति की कीमत करोड़ो रूपये में है।

वहीं ग्राम पंचायत ने कार्यवाही हेतु प्रस्ताव पारित कर शिकायत किए है जिसमें श्रीमान कलेक्टर महोदय बालाघाट,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट, पुलिस अधीक्षक बालाघाट, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी,व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लालबर्रा से कि गई है तथा कार्यवाही कि मांग कि गई है।

इनका कहना है।

आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है जांच करवाते हैं- **हेमंत नायक टी आई लालबर्रा**

डॉ प्रभात ने कहा- मां का दूध, रोग निरोधक है

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, विश्व स्तनपान सप्ताह के तीसरे दिवस में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना एवं मनोज जैन नर्सिंग कॉलेज की संयुक्त तत्वधान में नर्सिंग स्टूडेंट्स के लिए स्तनपान से होने वाले फायदे को बताने के लिए चर्चा आयोजित की गई ।इसमें आईएमए के शहर अध्यक्ष डॉ राकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में एवम डॉ सुनील कारखुर व डॉ हरकीरण बावा के संयोजक में डॉक्टर प्रभात सिंह बघेल, डॉ आदिति सिंह एवं डॉ योगेश शुक्ला ने नर्सिंग स्टूडेंट्स को संबोधित कर स्तनपान से होने वाले फायदे के बारे में बताया। डॉक्टर प्रभात सिंह ने कहा की हिंदी पिक्चरों के मशहूर डायलॉग मां का दूध पिया है को बदलकर अब 2 साल तक मां का दूध पिया है करने की जरूरत ।उन्होंने बच्चों में होने वाले फायदे के साथ-साथ स्तनपान न करवाने से भारत के समाज में 900 करोड़ का अतिरिक्त बोझ पढ़ने की बात भी कहीं ।डॉक्टर अदिति सिंह ने मां को होने वाले फायदे के बारे में चर्चा करें उन्होंने बताया कि आज भी समझ में भ्रांति है की मां का दूध पिलाने से मोटापा और शरीर कुरूप हो जाता है ,लेकिन होता इसका विपरीत है ।डॉक्टर योगेश शुक्ला ने स्तनपान सप्ताह की थीम के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि अभी भी भारत में पैदा होने वाले 10 में से 4 बच्चे ही स्तनपान कर पाते है। स्तनपान के बारे में जानकारी तो ठीक-ठाक है लेकिन क्रियान्वयन में अभी भी काफी समस्या है। अंत में स्तनपान के बारे में मरीजों को बताने का संकल्प करते हुए चर्चा को समाप्त किया गया।

सहकारिता एवं उद्योग समिति की बैठक का हुआ आयोजन

बालाघाट सभाकक्ष में समिति के सभापति झामसिंह नागेश्वर की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, जिला पंचायत बालाघाट में 2 अगस्त को जिला पंचायत की सहकारिता एवं उद्योग समिति की बैठक जिला पंचायत बालाघाट के सभाकक्ष में समिति के सभापति श्री झामसिंह नागेश्वर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग,पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक विभाग,जिला अन्तव्यवसायी विभाग, श्रम विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, सहकारिता विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा संचालित स्व-रोजगार योजनाओ के प्रगति की समीक्षा की है और वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 की अद्यतन स्थिति की जानकारी की समीक्षा की गयी। सभापति श्री झामसिंह नागेश्वर जी ने हितग्राही मूलक योजनाओं के प्रचार प्रसार ग्रामीण क्षेत्रो में की जाने की बात कही जिससे अधिक से अधिक लोगों को योजनाओ का जानकारी मिल सके। जिले में नकली खाद एवं बीज विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करने एवं सभी समितियों में डीएपी एवं यूरिया खाद शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए कहा। बैठक में उपस्थित जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार द्वारा बैंको में संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं एवं वित्तीय साक्षरता के सम्बन्ध में सदस्यों को अवगत कराया गया।

जिला अस्पताल मैहर को मिली 300 बिस्तरीय अस्पताल भवन निर्माण की स्वीकृति

34 करोड़ 63 लाख 58 हजार रुपए हुए स्वीकृति

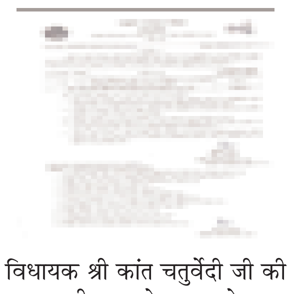

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के अंतर्गत मध्यप्रदेश के मुख्य मंत्री डाक्टर मोहन यादव एवम उप मुख्यमंत्री डॉक्टर राजेंद्र शुक्ल , सांसद गणेश सिंह तथा मैहर जिले के लोकप्रिय विधायक श्री कांत चतुर्वेदी जी के विकास रूपी सोच के अथक प्रयासों के फलस्वरूप मैहर जिले को यह सौगात प्राप्त हुई है निश्चित ही यह मैहर की धरा के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से सर्वोत्तम होगा। वर्तमान समय में मध्यप्रदेश में 4 जिले बने है किंतु मैहर जिला जिस प्रकार विकास रूपी सीढ़ी में अग्रसर होकर बुलंद शिखर की ओर अग्रसर है अन्य जिलों की अपेक्षा।वह मैहर वाली माता शारदे के आशीर्वाद, अच्छी सकारात्मक सोच रखने वाले बुद्धिजीवी वर्ग, प्रशासन एवम सबसे अधिक विधायक श्री कांत चतुर्वेदी जी की लगन शीलता से एक से एक सौगात केवल मैहर जिले को मिल रही है उसके लिए मैहर की देव तुल्य जनता जनार्दन हृदय से धन्यवाद अर्पित करती है। आज की इस प्रेस कांफ्रेंस में प्रमुख रूप से जिला भाजपा महामंत्री विश्वनाथ सिंह तिवारी, प्रदेश कार्य समिति आमंत्रित सदस्य कैलाश गौतम, जिला मंत्री कुलदीप तिवारी,मंडल अध्यक्ष विकास तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी सतीश मिश्रा जी सहित आदि लोग उपस्थित रहे। मैहर विधायक जी ने कहा कि आने वाले कुछ वर्षो में मैहर जिला में समस्त विभाग क्रियाशील होंगे।मैहर की धरा के लोगो को उनकी सकारात्मक विकास रूपी सोच के मनोबल बढ़ाना होगा। ज्ञात हो मैहर विधायक मैहर की धरा को समय प्रदान करते है हर लोगो की समस्या सुनते है और उनका उचित निदान भी करते है। हम सभी को भूगर्भ में नहीं जाना चाहिए पहले मैहर की धरा की क्या तस्वीर थी अब क्या है। हम सभी को जब विकास की बात आए तो एक स्वर से विधायक जी का साथ दे। मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी जी ने कहा कि निश्चित ही आने वाले समय में मैहर में हर विभाग के अधिकारी बैठेंगे। मां शारदा लोक जल्द से जल्द निर्माण होगा। विधायक जी इस चौपाई को कि जो इच्छा करिहो मन माही प्रभु प्रताप कछु दुर्लभ नाही।। को विकास रूपी सोच के साथ सार्थक कर रहे है।उन्होंने मैहर की धरा के लोगो का एक पेड़ मां के नाम अभियान में जो बढ़ चढ़कर भाग लिया है उसके लिए वह सभी धन्यवाद के पात्र है। आज जो जिला मैहर अस्पताल को शीर्ष नेतृत्व के द्वारा जो इतनी लंबी सौगात प्राप्त हुई है वह मैहर की धरा के लिए एक स्थायी परिकल्पना है। जहा हितार्थ रूपी विकास हो वहा सभी को अभिपेरना प्रदान करना चाहिए न कि विरोधाभास। कुछ भी हो जैसे भी हो जो यह 300 बिस्तरीय जिला अस्पताल के रूप में सौगात प्राप्त हुई है वह मैहर की धरा के लिए वर्तमान एवम भावी पीढ़ी के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि लाभार्थ के रूप में उपयोगी होगी।

मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ का किया गया गठन

न्युक्ति के अवसर पर आल्हा तलइया में भंडारे का किया गया आयोजन

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, मैहर मध्य प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ जिला मैहर का गठन किया गया प्रांताध्यक्ष एमपी दिवेदी की अनुसंसा में जिला अध्यक्ष रमेश अग्निहोत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र शुक्ला, उपाध्यक्ष लाल बिहारी वर्मा, सचिव मधुसूदन अहिरवार, सहसचिव राम बाबू चौरसिया, कोषाध्यक्ष दीपक मिश्रा, संगठन मंत्री, दयाराम शुक्ला, लल्लू प्रसाद प्रजापति,प्रचार मंत्री, सुधीर सोनी, प्रमोद शुक्ला, कार्यकारणी सदस्य रमेश रावत, अंजली अग्रवाल को नियुक्त किए जाने के अवसर पर आल्हा तलइया में भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, पुजारी दीपक पांडे, जिला कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड, पुलिस अधिक्षक सुधीर अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक मुकेश वैश्य, एसडीएम मैहर विकाश सिंह, सीएमओ लालजी ताम्रकार तहसीलदार जितेंद्र पटेल सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।

श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा

होटलों पर हो सख्त निगरानी,अनुकरणीय हो मैहर की फिजा

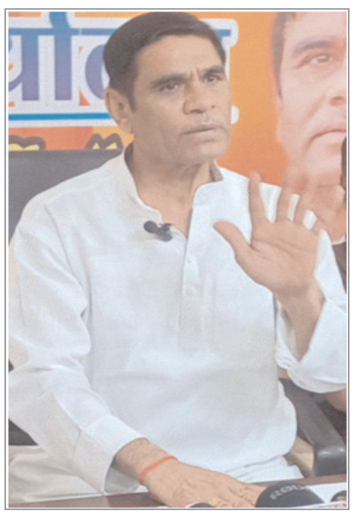

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ मैहर, मैहर माँ शारदा का पवित्र धाम है हजारों की संख्या में दैनिक रूप से दर्शनार्थी माई के दरबार मे मत्था टेकने आते है। इसलिए हर आने जाने वालों के दिलो दिमाग मे हमारे शहर की अलग पहचान हो शहर के प्रति स्वछ सोच हो हमारा मैहर लोगो के लिए अनुकरणीय हो इसका प्रयास हम सभी को कंधे से कंधा मिलाकर करना होगा। इसी कड़ी में मैहर विधायक ने तमाम होटलों के माहौल की निगरानी करा और मैहर के होटलों में क्या क्या होता है यह किसी से छिपा भी नही है। कुछ लोग इन बातों को दबी जुबान बोलते है लेकिन विधायक मैहर मुखर वक्ता है सही को सही गलत को गलत मुह पर बोलने का मद्दा रखते है। इसलिए उन्होंने विगत दिनों शहर के तमाम होटल संचालकों के साथ बैठक कर सभी से आग्रह किया कि ये मैहर हम सभी का है इसलिए इसकी आबो हवा स्वच्छ निर्मल हो इसकी जिम्मेवारी हम सभी की बनती है इसलिए जो वर्तमान में होटलों का माहौल है उसे कभी भी हमारा सभ्य समाज स्वीकार नही करेगा इसलिए इस माहौल को बदलने के लिए कोई सख्ती हो इसके पहले सभी लोग सहयोग करे जिस चीज को हमारा समाज स्वीकार नही करता वह होने नही दिया जाएगा। विधायक चतुर्वेदी ने कहा कि इसके साथ साथ हम इस बात पर भी सख्त हो रहे है कि जो लोग देवीधाम में अपने दुकानों में दर्शनार्थियों को रोकने ठहराने का कार्य करते है तत्काल प्रभाव से बंद करदे अन्यथा उनके विरुद्ध भी दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित होगी। श्री चतुर्वेदी निष्कपट बिना राग द्वेष वाले जन सेवक है शहर के विकास की उम्दा सोच है इसके लिए उनके द्वारा रातदिन प्रयास किये जा रहे है उनके इन सभी भागीरथ प्रयासों में हम सभी को सहयोग कर सफल बनायें जाने की आवश्यकता है।

उत्कृष्ट विचारक और श्रेष्ठ राजनेता थे प्रभात झा : गणेश सिंह

भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा जी की श्रद्धांजलि सभा संपन्न

सिटी चीफ। उमेश कुशवाहा सतना, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेषाध्यक्ष राज्यसभा सांसद स्व. प्रभात झा के निधन पर पार्टी के जिला कार्यालय मे शोक श्रद्धान्जलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सांसद गणेश सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व प्रदेषाध्यक्ष एवं पूर्व राज्य सभा सांसद रहे। स्व. प्रभात झा जी उत्कृष्ट विचारक और श्रेष्ठ राजनेता थे। उन्होने कहा कि स्व. झा कार्यकर्ताओ के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन भारतीय जनता पार्टी के कार्य विस्तार और समाज के लिए समर्पित कर दिया। चिंतक और लेखक होने के साथ वो पार्टी के कार्यकर्ताओ के पथ प्रदर्षक थे पूरे प्रदेश मे कार्यकर्ताओ से उनका व्यक्तिगत लगाव और जीवान्त सम्पर्क समाज जीवन मे किस प्रकार काम करना चाहिए इसकी प्रेरणा देता है। सांसद श्री सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्य विस्तार मे उनका अमूल्य योगदान है। उन्होने पार्टी की वैचारिक पत्रिका कमल संदेष और चरैवेती के संपादक बतौर काम करते हुए बौद्धिक क्षेत्र मे कार्य किया। पार्टी के सभी बड़े नेताओ के भाषण लिखने के साथ भारतीय जनता पार्टी के रणनीति किस प्रकार से होनी चाहिए यह भी वो शीर्ष नेतृत्व के साथ साझा करते थे। सांसद श्री सिंह ने कहा कि उनका जीवन बेहद सादगी और सरल था, छोटे बड़े सभी कार्यकर्ताओ के प्रति बेहद स्नेह जनक उनका व्यवहार होता था। आज वो हम सब के बीच नही है। श्री प्रभात झा जी का दुखद निधन समाज और देश के अपूर्णीय छति है। पार्टी के समस्त नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कर्तव्य से विचारधारा को उनके जीवन के पत्रकारिता से लेकर के राजनीतिक सफर तक विचारों को रखा। और वही कार्यकर्ताओं द्वारा उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन धारण कर आत्म शांति की प्रार्थना की गई।

स्वर्गीय प्रभात झा जी की श्रद्धांजलि सभा में सांसद गणेश सिंह ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की जिन्होंने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व के विचारों को लेकर संगठन और राजनीतिक क्षेत्र में विभिन्न संगठनत्म जिम्मेदारियां का पूर्ण रूप से निर्वाह करते हुए संघर्ष की पराकाष्ठा की। स्वर्गीय प्रभात जी छोटे से छोटे कार्यकर्ता को जानते थे और कार्यकर्ताओं के मन में बसे थे। प्रभात झा जी वर्षों तक विचार के समाचार पत्र स्वदेश में पत्रकारिता की प्रखरता के लिए जाने गए। उन्हें राजनैतिक क्षेत्र में भेजा गया तो उन्होंने यहां भी अपनी प्रतिभा की विलक्षणता को सिद्ध किया। प्रभात झा जी को भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी मिली थी। उस समय राजनैतिक दलों में मीडिया विभाग की अवधारणा भी नहीं थी। वे कमल संदेश के संपादक रहे तो उसकी चर्चा देशव्यापी थी। प्रभात जी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने तो संगठन में असंख्य नवाचार हुए। सांसद और राष्ट्रीय पदाधिकारी के रूप में भी उन्होंने अपना एक स्थान स्थापित किया। उन्होंने संगठन को सशक्त बनाने के लिए यादगार सेवाएं दी। उन्होंने कहा हम सब कार्यकर्ता उनके जीवन के विचारों को लेकर संगठन को मजबूत बनाते हुए कार्य करें यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वर्गीय प्रभात जी के जीवन से हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिए- डॉ स्वपना वर्मा भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ स्वपना वर्मा ने कहा कि कि स्वर्गीय प्रभात जी ने अपने जीवन संघर्ष के साथ सदा सरलता में व्यतीत किया । जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई उसका उन्होंने अक्षर सह पालन किया। जिस संगठन ने उन्हें जिम्मेदारियां दी जिसका उन्होंने पूर्ण रूप से संघर्ष और पराकाष्ठा के साथ आगे बढ़ने का कार्य किया हम सब कार्यकर्ताओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

स्वर्गीय प्रभात जी ने संगठन और पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया श्री विनोद यादव- भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य

श्री विनोद यादव ने उनके जीवन का स्मरण सुनते हुए कहा की प्रभात जी जहां भी मिलते थे वहां उनका हमेशा कार्यकर्ता भाव से प्रेम होता था । जिन्होंने संगठन से लेकर के राज्यसभा और स्वदेश समाचार पत्र के संपादन कार्य से लेकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया। यह पूरे प्रदेश के लिए दुख की बात है भगवान अपने चरणों में शांति प्रदान करें यही उनके लिए श्रद्धांजलि अर्पित है।

व्यक्ति नहीं वह एक बड़े विचार थे- श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बघेल ने कहा कि स्वर्गीय प्रभात जी व्यक्ति नहीं एक विचार थे हमें उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनका जीवन संघर्ष की पराकाष्ठा के साथ व्यतीत हुआ।

पूर्व महपोर पुष्कर सिंह तोमर ने संबोधित करते हुए स्वर्गीय प्रभात जी के जीवनकाल में प्रकाश डाला। और कहां की स्वर्गीय प्रभात जी व्यक्ति नहीं विचार और कार्यकर्ताओं के बीच परिवार भाव को लेकर काम करते थे।

गरीबी का अहसास था इसलिए हमेशा करते थे- मदद श्री नरेन्द्र त्रिपाठी

श्री नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि प्रभात झा को गरीबी का अहसास ही नहीं अनुभव भी था इसीलिए वे गरीबों के प्रति हमेशा उदार रहते थे। वे जिसके खिलाफ खड़े होते तो पीछे नहीं हटे और जिसके साथ खड़े होते तो कभी साथ नहीं छोड़ते थे। उनके ये ही गुण उनके भविष्य की आधारशिला बने। भाजपा के तब के शीर्ष नेता कुशाभाऊ ठाकरे के लिए प्रभात झा सबसे भरोसे के कार्यकर्ता थे। उनका यही विश्वास प्रभात को ग्वालियर से भोपाल ले गया। यही कारण है कि प्रभात झा के ग्वालियर में बंगला का नाम भी सहयोग रखा गया था।

मंच में पार्टी के नरेन्द्र त्रिपाठी, विनोद यादव, विनोद तिवारी, सुरेन्द्र सिंह बघेल, डॉ. स्वप्ना वर्मा, ऊषा चौधरी, राजाराम त्रिपाठी, विमला पाण्डेय, पुष्कर सिंह तोमर, सुधीर सिंह तोमर, कामता पाण्डेय, संजय शाह ने अपने विचार रखे। अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल सिंह पटेल ने की, कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रमाकान्त गौतम ने किया। शोक श्रद्धान्जलि अर्पित करने वालो मे विजय तिवारी, किरण सेन, सुधा सिंह, संजय तीर्थवानी, बालेन्द्र गौतम, जान्हवी त्रिपाठी, सुनील सेनानी, अभिषेक तिवारी, श्यामलाल गुप्ता श्यामू, सीमा सिंह यादव, सतीष सुखेजा, रामसागर पाण्डेय, अरविन्द मिश्रा, प्रियंक त्रिपाठी, अभिषेकदत्त पाण्डेय, संजय अग्रवाल, अवधेष सिंह, मृगेन्द्र सिंह, मनीष तिवारी, रवीन्द्र सिंह सेठी, अतुल सिंह परिहार, के.के. त्रिपाठी, सौरभ नायक, अरुण सिंह परिहार, वीरेन्द्र द्विवेदी, रेखा सिंह, आषा शुक्ला, शिवा द्विवेदी, अंजना तिवारी, मनीषा सिंह, भास्कर चतुर्वेदी, योगेन्द्र प्रताप सिंह, अषोक सिंह, षिवभगत मिश्रा, रमेष तिवारी, राजेष तिवारी, कल्याणदास विष्वकर्मा, अषोक नामदेव, विनोद जायसवाल, राहुल जैन, शंकर सोनी, रोहित अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, जतिन यादव, आदित्य यादव, कमल बाल्मीक, रमेष शुक्ला, आयूषी तिवारी, ममता श्रीवास्तव, भइयालाल चौधरी, विमल नामदेव, गजेन्द्र सिंह, बृजेष शुक्ला, ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू सहित भाजपा कार्यकर्ताओ ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय स्तर का नेता हूं नाली नरदा के सवालों का जबाब नही देता: कैबिनेट मंत्री

कैबिनेट मंत्री के बयान पर अमरपाटन विधायक ने किया ट्वीट...

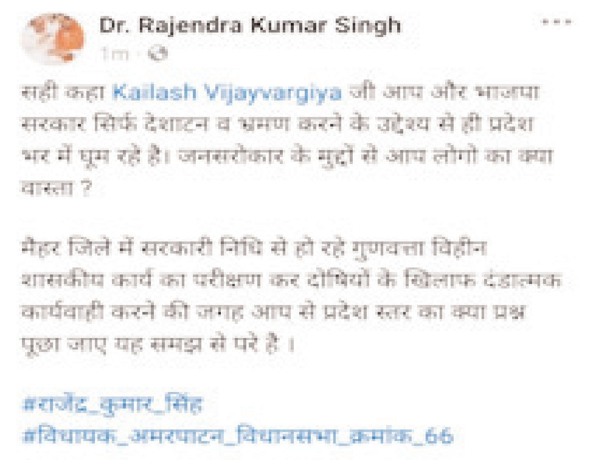

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, कैलाश विजयवर्गीय को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भले ही उनसे राष्ट्रीय नेतृत्व की कमान छीनकर प्रदेश सरकार का मंत्री बना दिया हो लेकिन मंत्री जी के दिमाग से केंद्रीय नेतृत्व की खुमारी अब भी नही उतरी। प्रदेश सरकार में उन्हें नगरीय प्रशासन की जिम्मेवारी सौंपी है तो स्वाभाविक है कि सवाल भी उनसे नाली नर्दे के ही होंगे। क्योकि प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के विकास की जिम्मेवारी अगर उनके कंधों में है तो विकास कार्यो में हो रहे भ्रष्टाचार की भी जिम्मेवारी उनकी ही होगी। मैहर में विकास कार्य तो चल ही रहे है लेकिन इन विकास कार्यो में भ्रष्टाचार भी चरम पर है सीवर लाइन के कार्यो में नियमो को दरकिनार कर कार्य किये जा रहे है कोई सुनने देखने वाला नही। रीवा रोड,कटनी रोड में दो बड़े नालों का निर्माण किया जा रहा है जिसमे व्यापक भ्रष्टाचार किया गया बालू की जगह डस्ट मिलाकर कार्य किया गया नाले की छह माह में ही बद से बदतर स्थिति हो गयी इसके जांच और कार्यवाही की मांग की गई। जो मंत्री जी को नागवार गुजर गयी और उन्होंने कहा कि मै नाली नरदा की बात करने नही आया मुझसे प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की बात की जाय तो मंत्री जी विभाग तो आपका नाली नदरे का है तो बात तो उसी की होगी। या मंत्री जी आप ही बताए कि हो रहे भ्रष्टाचार पर किससे सवाल पूछे जायेंगे।

कैबिनेट मंत्री के बयान पर अमरपाटन विधायक ने किया ट्वीट

केन्द्रीय मंत्री कैलाश विजय वर्गीय के बयान पर वर्तमान अमरपाटन विधायक व पूर्व मंत्री डॉ.राजेन्द्र कुमार सिंह ट्वीट आया सामने, उन्होने कहा कि आप और भाजपा की सरकार सिर्फ देशाटन व भ्रमण करने के उद्देश्य से ही प्रदेश भर में घूम रही है। जन सरोकार के मुद्दों से आप लोगों का क्या वास्ता? मैहर जिले में सरकारी निधि से हो रहे गुणवत्ता विहीन शासकीय कार्य का परीक्षण कर दोषियों के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही करने की जगह आप से प्रदेश स्तर का क्या प्रश्न पूछा जाये समझ से परे है।

डेल्हा सरपंच ने मुख्यमंत्री और विधायक का जताया आभार

कहा, जनता जनार्दन की चिंता और सेवा में भाजपा के सभी जनप्रतिनिधि समर्पित है

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ मैहर, प्रदेश के नवगत जिले मैहर में जिला अस्पताल की घोषणा पर डेल्हा सरपंच अभिषेक जायसवाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला सतना सांसद गणेश सिंह और मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा जनता जनार्दन की चिंता और सेवा में भाजपा के सभी जनप्रतिनिधि समर्पित है और आज उन्ही के प्रयास से यह सब संभव हुआ है जल्द स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मैहर वासियों को मिलेगा,प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 300 बेड का अस्पताल बनाने के लिए 34करोड़ 63लाख की राशि स्वीकृत की है इसके साथ साथ मैहर की जनता का भी आभार व्यक्त किया है जिसने मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी को चुनकर विधायक बनाया है और विधायक की पहल से मैहर को यह सौगात मिली है.

भारतीय किसान संघ का जिला निर्वाचन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

नवीन पदाधिकारियों की हुई घोषणा, निकाली रैली

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, भारतीय किसान संघ का जिला स्तरीय सम्मेलन शाजापुर एबी रोड स्थित निजी होटल में आयोजित किया गया। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में 400 गांव के 600 किसान एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रांत संगठन मंत्री अतुल माहेश्वरी, प्रांत महामंत्री रमेश दांगी, निर्वाचन अधिकारी एवं जैविक प्रमुख आनंद ठाकुर मंचासीन थे। अतिथियों के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता और भगवान बलराम के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित के साथ की गई। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात पूर्व जिला अध्यक्ष घनश्याम पाटीदार ने अपने 3 वर्ष के कार्यकाल के बारे में बताया। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी आनंदसिंह ठाकुर ने नवीन कार्यकारिणी का गठन किया, जिसमें सर्वसहमति से जिलाध्यक्ष सवाईसिंह सिसोदिया को निर्वाचित किया गया। इसके बाद जिला मंत्री मुकेश पाटीदार को बनाया गया। इस मौके पर मालवा प्रांत महामंत्री रमेश दांगी ने बताया कि किसान संघ 3 वर्ष में एक बार कार्यकर्ता सम्मेलन एवं निर्वाचन कार्यक्रम करता है। उन्होने कहा कि भारतीय किसान संघ अपनी रीति-नीति के अनुसार तीन आयाम रचनात्मक, आंदोलनात्मक और संगठनात्मक रूप से कार्य करता है। जिले में संगठन की 85 हजार सदस्यता पूरी हुई है जिसके लिए सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। किसान संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री चौधरी ने कहा किसान संघ का हर कार्यकर्ता हमारा नेता है। किसान संघ देश की सेवा में हमेशा तत्पर रहता है। उद्बोधन के पश्चात नवागत जिलाध्यक्ष सवाईसिंह सिसोदिया ने कार्यकारिणी की घोषणा की। नवीन जिला कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष राधेश्याम धनगर, उपाध्यक्ष दिनेश कलमोदिया, मीडिया प्रभारी भारत नाहर, कार्यालय मंत्री ललित नागर, सह मंत्री चंद्रसिंह सिसोदिया, सदस्य अरविंद जोशी, हेमलता नागर, शिवनारायण, बाबूलाल कुंभकार, अनिल पाटीदार, मोहनलाल परमार, मनोहर राजपूत, राजबहादुरसिंह गुर्जर, भागीरथ तोमर, मुकेश रोडवेज, रामचंद्र शशिकांत शशि, सदस्य मोहन पालीवाल बनाए गए। कार्यक्रम में पत्रकारों का श्रीफल देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के पश्चात जिले से सभी किसानों ने रैली के माध्यम से राज राजेश्वरी मंदिर प्रांगण में जाकर दर्शन किए और मुक्तिधाम जाकर बरगद, पीपल, नीम आदि के पांच पौधों का रोपण किया।

बच्चों में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए स्कूलों की भूमिका अहम-चौहान

कौटिल्य विद्यालय में हुआ पद अलंकरण समारोह का आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, बच्चों में पढ़ाई और खेलकूद के साथ नेतृत्व क्षमता का विकास करना, उसे निखारना और उचित मार्गदर्शन देकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना प्रत्येक स्कूल की पहली जिम्मेदारी होना चाहिए। हमें खुशी है कि कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी बच्चों के सर्वांगींण विकास में यह भूमिका अत्यंत बेहतर ढंग से निभा रहा है। यह बात प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक चौहान ने शनिवार को एबी रोड स्थित कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी में आयोजित पद अलंकरण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता यातायात प्रभारी सौरभ शुक्ला तथा विशेष अतिथि के रूप में प्रेस क्लब उपाध्यक्ष मंगल नाहर भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ की गई। इसके पश्चात विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव एवं संचालिका शशि यादव द्वारा पुष्पमाला से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों के ग्रुप ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके बाद हाऊस केप्टनों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यातायात प्रभारी शुक्ला ने कहा कि छात्र जीवन में नियमों के पालन एवं अनुशासन का बहुत महत्व है। बच्चों को स्कूलों में नियमों के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति और अपने नैतिक दायित्व के निर्वहन के प्रति गंभीर बनाना भी स्कूलों की जिम्मेदारी है। मेरा बच्चों से विशेष आग्रह है कि वे यातायात के सभी नियमों का गंभीरता से पालन करें और अपने अभिभावकों व परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशेष अतिथि प्रेस क्लब उपाध्यक्ष मंगल नाहर ने कहा कि छात्र जीवन में पढ़ाई के साथ कई प्रकार की बौद्धिक, शारीरिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं होती हैं, जिनमें बच्चों को बढ़-चढक़र हिस्सा लेना चाहिए ताकि उनका सर्वांगींण विकास हो सके। प्रतियोगिताओं के दौरान अक्सर बच्चों में जीत के लिए प्रतिस्पर्धा भी होती है। बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भाव विकसित करना भी आवश्यक है, जिससे वह विजेता के साथ एक अच्छे इंसान भी साबित हो सकें। कार्यक्रम को विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव, संचालिका शशि यादव एवं प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों सहित स्टॉफ के सदस्य उपस्थित रहे।

बच्चों को सौंपे विभिन्न दायित्व

इसके पूर्व विद्यालय में विधि-विधान से कुछ बच्चों का चयन किया गया और उन्हें अपने-अपने ग्रुप लिए ग्रुप कैप्टन, वाइस कैप्टन, साहित्यिक कैप्टन, सांस्कृतिक कैप्टन, डिसिप्लिन कैप्टन एवं स्पोर्ट्स कैप्टन की शपथ दिलाई गई। विद्यालय संचालक यादव ने बच्चों से कहा कि अब आप सामान्य नहीं बल्कि अपनी टीम के कप्तान हो। इसलिए आप पर जिम्मेदारी ज्यादा है। अपनी टीम को साथ लेकर चलते हुए एक मिसाल कायम करना है।

शाजापुर के गायत्री पब्लिक स्कूल पिंदोनिया में मनाया हरियाली महोत्सव

श्रावण मास की अमावस्या विशेष होती है : स्कूल संचालक दिनेश केलकर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, हरियाली अमावस्या को लेकर गायत्री पब्लिक स्कूल पिंदोनिया में पौधारोपण किया गया। स्कूल संचालक दिनेश केलकर ने बताया कि श्रावण मास की अमावस्या विशेष होती है और इसे हरियाली अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन प्रकृति को आभार व्यक्त किया जाता है, इस दिन पेड़ पौधे लगाने का विशेष महत्व है। इसीको लेकर शनिवार को विद्यालय परिसर में बच्चों के साथ पीपल, नीम, आम, गुलाब आदि पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मी शर्मा, शबनम खान, खुशबू परिहार, नेहा केशरिया, मोनिका बोयल, हंसा आदि मौजूद थे।

देवबंद में अधिवक्ता द्वारा फीस मांगने पर वादकारियों ने अधिवक्ता और उनके मुंशी के साथ की मारपीट, गुस्साएं अधिवक्ताओं ने लगाया जाम, की कार्रवाई की मांग

दो आरोपियों को पुलिस ने मौके से दबोच कर हिरासत में लिया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । सहारनपुर, सिविल कोर्ट परिसर देवबंद में आज उस वक्त जबरदस्त अफरा-तफरी मच गई जब अधिवक्ता द्वारा अपनी शेष फीस मांगने को लेकर वादकारियों ने फीस न देकर अधिवक्ता इरशाद अली और उनके मुंशी रविंद्र के साथ मारपीट कर दी। मारपीट के शोर की आवाज सुनकर मौके पर आए अन्य अधिवक्ताओं ने किसी तरह उनका बीच-बचाव कराते हुए आरोपितों को कचहरी कैंपस से बाहर निकाल दिया। लेकिन आरोप है कि कुछ देर बाद ही उक्त वादकारी अपने 15-20 साथियों को लेकर कचहरी में घुस आए और अन्य अधिवक्ताओं के साथ भी जमकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। बताया जा रहा है कि इस दौरान अधिवक्ता फरमान को उक्त लोग जबरन गाड़ी में डालने लगे। पुलिस को देख आरोपित अपनी कार मौके पर ही छोडक़र भागने लगे। इस घटना से गुस्साएं अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर के सामने ही हाईवे पर जाम लगा दिया। हाईवे पर अधिवक्ताओं द्वारा जाम लगाए जाने की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन में जबरदस्त हडक़म्प मच गया।

सूचना मिलते ही एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा, सीओ देवबंद अशोक सिसोदिया और देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

अधिवक्ताओं ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। दो आरोपियों को पुलिस ने मौके से दबोच कर हिरासत में ले लिया। पुलिस ने अधिवक्ताओं को उचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए बामुश्किल जाम खुलवाया। पीडित एडवोकेट इरशाद अली ने घटना के संबंध में देवबंद पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह धर्मपुर सरावगी निवासी व्यक्ति का मुकदमा लड़ रहे है। जब उन्होंने अपनी शेष फीस उनसे मांगी तो उन्होंने फीस न देकर उनके साथ मारपीट कर दी। एडवोकेट इरशाद अली ने तीन नामजद समेत 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मौके से आरोपियों की कार एवं बाइक को कब्जे में ले लिया है।

सुलभ काम्प्लेक्स कर्मचारी ने महिला को नहाते हुए वीडियो बनाया

जमकर हुआ हंगामा, मामले की शिकायत दर्ज

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, बस स्टैंड स्थित सुलभ शौचालय काम्प्लेक्स के कर्मचारी द्वारा महिला का नहाते हुए वीडियो बनाए जाने पर जमकर हंगामा हुआ। इसके बाद पीड़िता कोतवाली थाने पर कर्मचारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पहुंची, लेकिन थाने पर मौजूद महिला पुलिस अधिकारी ने पहले तो कार्रवाई करने से इनकार कर दिया, लेकिन जब सूचना मिलने पर सामाजिक संगठन के लोग थाने पहुंचे तो कार्रवाई करने की बात कही गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाजापुर के समीपस्थ ग्राम में रहने वाली महिला का बच्चा जिला अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती है। शनिवार को महिला पास ही में स्थित सुलभ काम्प्लेक्स में नहाने के लिए गई। इस दौरान जब महिला नहा रही थी तो उसकी काम्प्लेक्स कर्मचारी ने आपत्तिजनक स्थिति में वीडियो बना लिया। महिला ने वीडियो बनाते हुए कर्मचारी को देखा तो उसने बाहर आकर अपने रिश्तेदारों को सूचना दी और हंगामा कर दिया। महिला के परिचितों ने बताया कि वह शिकायत करने थाना कोतवाली पहुंची थी जहां मौजूद महिला पुलिस अधिकारी ने एफआईआर करने की बजाय आवेदन देने की बात कही। इस पर समाज के लोगों को सूचना दी गई और समाज के लोगों के थाने पर पहुंचने के बाद पुलिस कार्रवाई को तैयार हुई। समाचार लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज नही हुई थी। वहीं थाना प्रभारी ब्रजेश मिश्रा ने एफआईआर होने के बाद ही कुछ भी कह पाने की बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 4 अगस्त को शाजापुर जिले के भ्रमण पर रहेंगे

शाजापुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 04 अगस्त 2024 को शाजापुर जिले के भ्रमण पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 04 अगस्त को प्रात: 11:25 बजे भोपाल से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12:00 शाजापुर पहुचेंगे। वे यहां स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होने के उपरांत दोपहर 1:55 बजे प्रस्थान कर दोपहर 02.10 बजे शाजापुर जिले के ग्राम सेमलीचाचा पहुचेंगे। ग्राम सेमलीचाचा में स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होने के बाद वे यहां से अपराह्न 3.30 बजे रवाना होकर शाम 04.00 बजे भोपाल पहुंचेंगे।

पुलिस को मिली डिजिटल हाउस अरेस्ट मैं बंधक बनाए गए परिवार को मुक्त कराने में सफलता

उज्जैन । पुलिस को मिली डिजिटल हाउस अरेस्ट मैं बंधक बनाए गए परिवार को मुक्त कराने की सफलता। एसपी प्रदीप शर्मा की तत्परता से मेनेजर को डिजिटल हाउस अरेस्ट से मुक्त कराया गया,,दिलीप बिल्डकॉन के मैनेजर मनीष दीक्षित को ऑनलाइन फाड करने वाले बदमाशो ने दिल्ली पुलिस और सीबीआई अधिकारी बन झूठे केस मैं गिरफ्तारी का डर दिखा कर डिजिटल हाउस अरेस्ट कर बड़ी रकम ट्रांसफर की तैयारी कर ली थी। समय पर सूचना मिलने पर एसपी प्रदीप शर्मा ने तत्काल नानाखेड़ा पुलिस को भेजकर दीक्षित और उनकी पत्नी को भय मुक्त करवाया और लाखो रुपए के ट्रांजेक्शन को रूकवाया।

लायंस क्लब बुरहानपुर द्वारा वृहद स्तर पर 180 पौधो का पौधारोपण किया गया

बुरहानपुर। सामाजिक संस्था लायंस क्लब इंटरनेशनल के तहत चल रही शाखा बुरहानपुर द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया द्य वृक्षारोपण के प्रोजेक्ट चेयरमेन ओम पारिक , सहप्रोजेक्ट चेयरमेन हमीद काजी , एवं तारिका सिंह ठाकुर ने बताया की निमाड़ वेली इंटरनेशनल स्कूल प्रागण में पर्यावरण की रक्षा के लिए आम ,नीम बबुल , निम्बू ,कटहल एवं कई प्रकार के फल एवं फूलो के पौधो का पौधारोपण किया गया द्य इसी के अंतर्गत खंडवा रोड स्थित निजी रेस्टोरेंट प्रागण में पास्ट गवर्नर डॉ आई एल मूंदड़ा , अध्यक्ष मुकेश देवड़ा , उपाध्यक्ष सुशिल माहेश्वरी , सचिव डॉ राजेंद्र चापोरकर एवं कोषाध्यक्ष पुष्पा मूंदड़ा एवं लायंस साथियों द्वारा भी पौधारोपण किया गया द्य कार्यक्रम में नूर काजी , विलास वडे ,डॉ तारिक , डॉ हुमायु दाउद ,साहिर अदनान ,आजम राही , आसिफ वकील , पियूष जैन , मनीष पटेल , दिनेश चौधरी , सुनील मूंदड़ा एवं हसमुख जरीवाला उपस्थित थे द्य पौधारोपण पच्यात शाला चेयरमेन नूर काजी द्वारा सभी लॉयंस साथियों का स्वागत कर सम्मान किया गया ।

चीन के शिक्षा क्षेत्र में उथल-पुथल, स्कूलों में पढ़ने के लिए नहीं रहे बच्चे

बीजिंग: जनसंख्या में गिरावट और वृद्ध होती आबादी के कारण चीन में स्कूलों में बच्चों की संख्या घट रही है। इसके परिणामस्वरूप, कई प्रांतों में शिक्षक भर्ती में कटौती की जा रही है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन में शिक्षक की नौकरियों में बड़ी कटौती हो रही है, जो परंपरागत रूप से सुरक्षित और प्रतिष्ठित मानी जाती हैं। पूर्वी प्रांत जिआंग्शी में इस साल नए प्रीस्कूल, प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल शिक्षण पदों में 54.7 प्रतिशत की कटौती की जाएगी, जिससे यह संख्या घटकर 4,968 हो जाएगी, जो दो साल पहले की भर्ती का एक तिहाई है। पड़ोसी हुबेई प्रांत में भी स्कूल शिक्षकों की भर्ती में एक-पाँचवां कमी आई है।

इसका मुख्य कारण स्कूल जाने वाले बच्चों की घटती संख्या है, क्योंकि चीन अल्ट्रा-लो प्रजनन दर का सामना कर रहा है, जिसमें प्रति महिला जीवनकाल में 1.4 से भी कम जीवित जन्म हो रहे हैं। जिआंग्शी के अधिकारियों के अनुसार, पिछले चार वर्षों में 0-15 वर्ष की आयु के बच्चों की आबादी का हिस्सा लगातार घट रहा है, जिसमें पिछले साल 480,900 की गिरावट आई, जो 2020 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट है।

केंद्रीय चीन के हुनान प्रांत में भी इसी तरह की स्थिति है। पिछले साल शिक्षा अधिकारियों ने घोषणा की कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोई नया किंडरगार्टन नहीं बनाया जाएगा।

2023 में, हुनान के किंडरगार्टन में बच्चों की कुल संख्या 14.79 प्रतिशत घटकर 319,400 हो गई, जो पिछले साल की तुलना में कम है। राष्ट्रीय स्तर पर भी, लगातार तीसरे वर्ष प्रीस्कूल बच्चों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष 275,000 से कम किंडरगार्टन थे, जो 2022 से 14,800 कम है। इसी अवधि में नामांकन 5.35 मिलियन घटकर 40.9 मिलियन रह गए। इस प्रकार, चीन में जनसंख्या गिरावट के कारण शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन हो रहे हैं।

अदन की खाड़ी में हूती विद्रोहियों का मिसाइल हमला

मालवाहक जहाज को बनाया निशाना

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी से गुजर रहे एक मालवाहक जहाज पर शनिवार देर रात मिसाइल हमला कर दिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह इजराइल द्वारा हमास नेता इस्माइल हनिया को निशाना बनाए जाने के बाद समूह का संभवत: पहला हमला है। हनिया को हूती विद्रोहियों का मुख्य वित्त पोषक माना जाता था। हालांकि, हूती विद्रोहियों ने अभी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हूती विद्रोहियों ने लाल सागर गलियारे से गुजरने वाले जहाजों पर अपने हमलों में दो हफ्ते के विराम का कोई कारण नहीं बताया है। पिछले साल नवंबर में गाजा पट्टी में हमास पर इजराइल की जवाबी कार्रवाई के बाद भी क्षेत्र में हूती विद्रोहियों के हमले में इसी तरह का विराम देखने को मिला था।

अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हमला तेहरान में इजराइल के संदिग्ध हवाई हमले में हमास नेता हनिया की मौत के बाद हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि हमला अदन से लगभग 225 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में अदन की खाड़ी के उस हिस्से में हुआ, जहां हूती विद्रोही पहले भी कई जहाजों को निशाना बना चुके हैं। ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर (यूकेएमटीओ)' के बयान के मुताबिक, जहाज पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जहाज को एक मिसाइल से निशाना गया, लेकिन इससे आग लगने, पानी भरने या तेल का रिसाव होने की

कोई सूचना नहीं है। यूकेएमटीओ पश्चिम एशिया में हमलों की जानकारी उपलब्ध कराता है। उसने मिसाइल हमले के शिकार जहाज का कोई विवरण साझा नहीं किया। निजी सुरक्षा कंपनी 'आम्ब्रे' ने भी अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हमले की खबर दी। उसने संकेत दिया कि अदन की खाड़ी में लाइबेरिया के झंडे वाले मालवाहक जहाज 'ग्रोटन' को निशाना बनाया गया, जो संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा से सऊदी अरब के जेद्दा के लिए रवाना हुआ था। हालांकि, 'ग्रोटन' के यूनानी प्रबंधकों ने घटनाक्रम पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हूती विद्रोहियों ने हमले की फिलहाल जिम्मेदारी नहीं ली है। उन्होंने पिछले कुछ महीनों में लाल सागर गलियारे में 70 से अधिक जहाजों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया है, जिनमें कुल चार नौसैनिक मारे गए हैं। हूती विद्रोहियों ने एक जहाज पर कब्जा कर लिया और दो अन्य को डूबा दिया। अमेरिका नीत गठबंधन ने क्षेत्र में हूती विद्रोहियों के कई हमलों को नाकाम भी किया। हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे इजराइल, अमेरिका और ब्रिटेन से जुड़े जहाजों को निशाना बनाते हैं, ताकि गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध समाप्त करने का दबाव बनाया जा सके लेकिन कई ऐसे जहाजों पर भी हमला किया गया है, जिनका इन देशों से कोई संबंध नहीं है।

पूर्व विधायक वानखेड़े और कांग्रेस प्रवक्ता त्रिपाठी को 2 साल की सजा

8 साल पहले प्रदर्शन का मामला: 30-30 हजार के मुचलके पर जमानत

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े और पार्टी के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। एमपी-एमएलए कोर्ट से दोनों नेताओं को बड़ा झटका लगा है। 8 साल पुराने प्रदर्शन के एक मामले में दोनों नेताओं को दो साल की सजा सुनाई गई है। शनिवार को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश स्वयं प्रकाश दुबे ने 8 साल पुराने केस में पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े, कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे और आकाश चौहान, धनजी गिरी को 2 साल की सजा सुनाई और 11-11 हजार रुपए जुर्माना लगाया।

दरअसल, एनएसयूआई में रहते हुए साल 2016 में सभी नेताओं ने हजारों कार्यकर्ता ओं के साथ व्यापमं घोटाले को लेकर सीएम हाउस का घेराव किया था। उसके बाद हबीबगंज पुलिस ने आईपीसी की धारा 353, 326, 333, 147 में मामला पंजीबद्ध किया गया था। न्यायालय ने इस मामले में सभी आरोपियों को 30-30 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दी है। मामले पर कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि हम माननीय न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हैं। यह भाजपा सरकार के प्रतिशोध वाली राजनीति का एक उदाहरण है। छात्र हितों में लड़ाई लड़ने पर गंभीर धाराओं में मुकदमा किया जाता है। नतीजतन कोर्ट द्वारा सजा सुनाई जाती है। हालांकि, हम इससे हताश नहीं हैं। हम आमजनों की लड़ाई दोगुनी ताकत से लड़ते रहेंगे। हम गांधी-नेहरू की विचारधारा को मानने वाले लोग हैं इसलिए जेल जाने से नहीं डरते। सत्य के लिए लड़ाई जारी रहेगी।

300 बैंकों पर साइबर अटैक से 1000 करोड़ के कारोबार पर असर

मुंबई। पिछले दो-तीन दिनों से देशभर के लगभग छोटे और मध्यम दर्जे के 300 बैंकों के ग्राहक एटीएम से पैसे निकालने और यूपीआई से भुगतान सेवाओं का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इसकी बड़ी वजह सी-एज टेक्नोलॉजी पर रैनसवेयर का हमला है। यानी साबइ अटैक की वजह से ये सभी सेवाएं प्रभावित हुई हैं। नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) सी-एज टेक्नोलॉजी के साथ इन सेवाओं को प्रदान करता है। इसका असर छोटे और मध्यम (एमएसएमई) दर्जे के कारोबार पर देखने को मिल रहा है। इसकी वजह से उनके कारोबार में करोड़ों नुकसान उठाना पड़ रहा है। रोजाना मुंबई में एमएसएमई का 1000 करोड़ रुपये का कारोबार होता है जिस पर असर पड़ा है। पिछले तीन में दिनों में करोड़ों रुपये का नुकसान कारोबारियों को उठाना पड़ रहा है। एनपीसीआई का कहना है कि वह सी-एज टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर समस्या को हल करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है और आवश्यक सिक्युरिटी रिव्यू भी किया जा रहा है। प्रभावित बैंकों की कनेक्टिविटी जल्द ही बहाल की जाएगी। सी-एज टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाले छोटे आकार के लगभग 300 बैंक है। पिछले दो से तीन दिनों से वह इस समस्या का सामना कर रहे हैं। एनपीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुरुवार दोपहर तक सेवाओं को बहाल कर दिया जाएगा, लेकिन अभी तक ग्राहक समस्या का सामना कर रहे हैं।

इस भारतीय को भगवान की तरह पूजता है चीन, राष्ट्रपति भी झुकाते हैं सिर

बीजिंग: भारत और चीन के रिश्ते चाहे जितने भी तनावपूर्ण हों, चीन आज भी एक भारतीय को भगवान की तरह पूजता है। इस महान व्यक्ति का नाम है डॉ. द्वारकानाथ कोटनिस। चीन में उनके नाम पर कई स्कूल, कॉलेज और अस्पताल हैं। चौक-चौराहों पर उनकी मूर्तियां लगी हैं। आजादी के बाद से अब तक चीन के जितने भी राष्ट्रपति भारत आए, वे डॉ. कोटनिस के परिवार से मिले बिना नहीं लौटे।

कौन थे डॉ. कोटनिस?

डॉ. द्वारकानाथ कोटनिस की कहानी द्वितीय विश्व युद्ध से एक साल पहले शुरू होती है। साल 1937 में चीन और जापान के बीच लड़ाई शुरू हो गई थी। जापान के हमले के बाद चीन ने दुनिया के तमाम देशों से मदद मांगी। चीनी जनरल ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को भी चिट्ठी लिखी। उस समय भारत खुद आजाद नहीं था, लेकिन नेहरू ने मानवता के नाते चीन में डॉक्टरों का एक दल भेजने की वकालत की। इसके लिए एक सार्वजनिक अपील जारी की गई और कहा गया कि जो लोग इस दल का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे अपना नाम कांग्रेस पार्टी को सौंप सकते हैं।

10 अक्टूबर 1910 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में पैदा हुए डॉ. द्वारकानाथ कोटनिस

पोस्ट ग्रेजुएशन की तैयारी में जुटे थे। उनकी ख्वाहिश दुनिया घूमने की थी और अलग-अलग देश में लोगों की सेवा करना चाहते थे। जब उन्हें कांग्रेस की अपील के बारे में पता चला तो फौरन चीन जाने का मन बना लिया। कांग्रेस ने पांच डॉक्टरों की एक टीम बनाई और उन्हें चीन रवाना कर दिया। उस समय कांग्रेस ने इन डॉक्टरों को चीन भेजने के लिए 22,000 रुपये चंदा जुटाया था और एक एंबुलेंस के साथ इन्हें चीन रवाना किया।

800 से ज्यादा सैनिकों की जान बचाई

भारतीय डॉक्टरों की टीम अगले 5 साल तक चीन के अलग-अलग प्रांतों में चीनी सैनिकों का इलाज करती रही। डॉ. कोटनिस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी और दिन-रात सेवा में जुटे रहे। साल 1940 में उन्होंने करीब 72 घंटे लगातार ऑपरेशन किया। कई रिकॉर्ड्स से पता चलता है कि डॉक्टर कोटनिस ने अकेले 800 से ज्यादा चीनी सैनिकों का इलाज कर उनकी जान बचाई थी।

लास वेगास के कैसीनो में चाकू से हमला एक व्यक्ति को गोली भी मारी

लास वेगास। अमेरिका के नेवादा प्रांत के लास वेगास शहर में स्थित एक कैसीनो में शनिवार को दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया, जबकि एक अन्य व्यक्ति को गोली मार दी गई। अधिकारियों ने हमले में घायल तीनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि रेड रॉक कैसीनो रिजॉर्ट एंड स्पा में शनिवार देर रात डेढ़ बजे चाकू से हमले और गोलीबारी की सूचना मिली।

उन्होंने बताया कि हमले में घायल तीन लोगों में से दो की हालत गंभीर है। पुलिस ने अभी तक हमलावरों की पहचान जाहिर नहीं की है और न ही यह बताया है कि हमले की वजह क्या थी। हालांकि, उसने कहा कि क्षेत्र के लोगों को कोई खतरा नहीं है। कैसीनो के प्रवक्ता ने लास वेगास में उसके परिसर में हमले की पुष्टि की। हालांकि, उसने घटना के संबंध में कोई विवरण देने से इनकार कर दिया।

भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के चौथे हिस्से तक पहुंचने में लगेंगे 75 साल

नई दिल्ली। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले कुछ दशकों में भारत समेत 100 से ज्यादा देशों को उच्च आय वाला देश बनने में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय की एक चौथाई तक ही पहुंचने में करीब 75 साल लग सकते हैं। विश्व बैंक की विश्व विकास रिपोर्ट 2024ः द मिडिल इनकम ट्रैप के अनुसार, चीन को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में 10 वर्षों से अधिक का समय लगेगा। इस उपलब्धि को हासिल करने में इंडोनेशिया को लगभग 70 साल लगेंगे। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले कुछ दशकों में भारत समेत 100 से ज्यादा देशों को उच्च आय वाला देश बनने में गंभीर बाधाओं

का सामना करना पड़ेगा। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय की एक चौथाई तक ही पहुंचने में करीब 75 साल लग सकते हैं। पिछले 50 साल के अनुभव के आधार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि देश जैसे-जैसे अमीर होते जाते हैं, वे आमतौर पर प्रति व्यक्ति सालाना अमेरिकी जीडीपी के करीब 10 फीसदी पर 'एक जाल' में फंस जाते हैं, जो कि वर्तमान समय में करीब 8,000 डॉलर के बराबर है। विश्व बैंक मध्यम आय वाले देशों को जिस राशि के आधार पर वर्गीकृत करता है, यह उसके ठीक मध्य की राशि है।

आगे का रास्ता और भी कठिन

रिपोर्ट में कहा गया है कि तेजी से बढ़ती आबादी और बढ़ता कर्ज, भयंकर भूराजनीतिक और व्यापार घर्षण और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक प्रगति को गति देने की बढ़ती कठिनाई की तुलना में आगे का रास्ता और भी कठिन है। रिपोर्ट के अनुसार फिर भी कई मध्यम आय वाले देश अभी भी पिछली शताब्दी से एक प्लेबुक का उपयोग करते हैं, मुख्य रूप से निवेश का विस्तार करने के लिए डिजाइन की गई नीतियों पर भरोसा करते हैं। यह कार को सिर्फ पहले गियर में चलाने और इसे तेज करने की कोशिश करने जैसा है।

पुरानी प्ले बुक के साथ चिपके रहते हैं देश

विश्व बैंक समूह के मुख्य अर्थशास्त्री और विकास अर्थशास्त्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंदरमित गिल ने कहा कि अगर वे पुरानी प्लेबुक के साथ चिपके रहते हैं, तो अधिकांश विकासशील देश इस सदी के मध्य तक यथोचित समृद्ध समाज बनाने की दौड़ में स्थिति खो देंगे। गिल ने यह भी कहा कि वैश्विक आर्थिक समृद्धि की लड़ाई मध्यम आय वाले देशों में काफी हद तक जीती या हारी जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569